राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 14 फरवरी 2026 वर्ष-9,अंक-22 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में होटल की चौथी मंजिल से कूदी युवती

■ लोगों ने सड़क पर गत्ते लगाकर बचाया

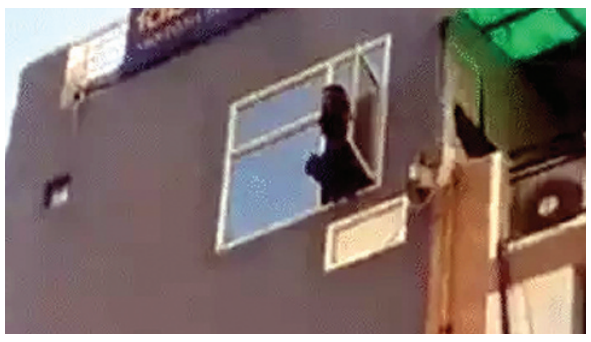

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के फर्श बाजार इलाके में 20 साल की एक युवती ने होटल की चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। घटना शुक्रवार दोपहर की है। युवती के बिल्डिंग के कूदने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिखा कि नीचे खड़े लोगों ने सड़क पर गत्ते बिछा दिए थे। युवती उसपर गिरी। हालांकि, वह गंभीर रूप से घायल है। फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, युवती दिल्ली की रहने वाली है। वह एक युवक के साथ 60 फीट स्थित एक होटल में ठहरी थी। युवक उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर का रहने वाला है। होटल के कमरे में दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। इसके बाद युवती गुस्से में खिड़की से बाहर कूद गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवती खिड़की पर बैठी दिखाई दे रही थी। उसे देखकर नीचे सड़क पर लोगों की भीड़ जुट गई। आसपास के दुकानदारों ने युवती के कूदने की आशंका को देखते हुए नीचे सामान के गत्ते रख दिए थे। नीचे गिरने पर मौके पर मौजूद लोगों ने लड़की को उठाकर अस्पताल पहुंचाया।

रिकॉर्ड हाई से फिसला विदेशी मुद्रा भंडार

■ एक हफ्ते में 6.7 अरब डॉलर की गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए 'सुरक्षा कवच' माने जाने वाले विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले हफ्ते की ऐतिहासिक तेजी के बाद अब गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 6 फरवरी को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 बिलियन डॉलर घटकर 717.064 बिलियन डॉलर रह गया है।यह गिरावट इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके ठीक पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार ने 14.361 बिलियन डॉलर की भारी छलांग लगाई थी और यह 723.774 बिलियन डॉलर के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। ताजा आंकड़ों में आई यह गिरावट मुख्य रूप से सोने के भंडार (गोल्ड रिजर्व) के मूल्य में आई भारी कमी के कारण है, जबकि विदेशी मुद्रा संपत्तियों में बढ़ोतरी देखी गई है।

योगी बोले : हिंदुस्तान की खाएंगे, लेकिन वंदे मातरम नहीं गाएंगे

ऐसे लोगों को कान पकड़कर बाहर किया जाए, 1 करोड़ महिलाओं की पेंशन बढ़ेगी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानमंडल में बजट सत्र का आज 5वां दिन है। राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलते हुए उट योगी ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा- हम 1.06 करोड़ निराश्रित महिलाओं को पेंशन दे रहे हैं। अभी उन्हें 12 हजार सलाना मिलता है। जल्द ही हम इसे बढ़ाने वाले हैं। परसों (15 फरवरी) इसका ऐलान वित्त मंत्री सुरेश खन्ना कर देंगे। इससे पहले सीएम ने वंदे मातरम का जिक्र किया। कहा- सपा और कांग्रेस के सांसदों ने वंदे मातरम का विरोधा किया। लेकिन वंदे मातरम का अपमान कोई नहीं कर सकता। ये हिंदुस्तान की खाएंगे, लेकिन वंदे मातरम नहीं गाएंगे। ऐसे लोगों को यहां रहने का अधिकार नहीं है। जो इसका विरोध करता है, उसका कान पकड़कर बाहर करना चाहिए। इससे पहले सीएम ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय से कहा- आप उचित बात करते हैं, लेकिन पता नहीं क्यों आपके और संजय निषाद के बीच रंजिश चल रही है। ऐसा लगता है कि आपकी भी पोखरी यानी तालाब का संजय निषाद पट्टा कराकर आ गए हैं। दरअसल, इससे पहले आरक्षण मुद्दे पर माता प्रसाद पांडेय और संजय निषाद के बीच तीखी बहस हो गई थी। सुबह 11 बजे विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने के थोड़ी देर बाद ही टोका-टोकी करने से अध्यक्ष सतीश महाना भाजपा विधायक केतकी सिंह पर भड़क गए। उन्होंने कहा- आप बैठिए। सदन चलाना मेरा काम है। गुस्से में उन्होंने हेडफोन निकालकर फेंक दिया। 10 मिनट के लिए सदन स्थगित करके कुर्सी से उठकर चले गए। वापस आए तो कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा ने कहा- आप मुस्कुराते अच्छे लगते हैं। फिर उन्होंने वित्त मंत्री से महाना को मनाने के लिए शायरी सुनाने की अपील की। तभी सपा के कमाल अख्तर ने शायरी सुनाई- तुम रूठा न करो, सबकी जान चली जाती है। तुम हंसते रहते

सीएम योगी ने अखिलेश के आरोपों पर दिया जवाब

सीएम योगी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के आरोपों का पॉइंट टू पॉइंट जवाब दिया। कहा- लखनऊ जेपीएनआईसी का डीपीआर 200 करोड़ का था, 800 करोड़ खर्च हुआ, लेकिन अभी भी अधूरा। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का टेंडर जारी कर दिया। हमारी सरकार आई तो हमने देखा, इसकी कोई प्रोग्रेस ही नहीं। क्योंकि जमीन ही नहीं ली गई। हमने टेंडर निरस्त किया। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का जब हमने काम शुरू किया तो 15 हजार 200 करोड़ रुपए का टेंडर आया, जबकि सपा के समय में 2 साल पहले भी इतने ही करोड़ का टेंडर हुआ था, आखिर 2 साल पहले इतने का कैसे हो सकता था। हमने 110 मीटर को बढ़ाकर 120 मीटर किया। आखिर में हमने फिर से टेंडर किया, तब 11,300 करोड़ आया। ये साढ़े 3 हजार करोड़ कहां जा रहा था। दरअसल, अखिलेश यादव अक्सर यूपी सरकार पर आरोप लगाते हुए हैं कि उनकी योजनाओं को रोक दिया। मेट्रो, एक्सप्रेसवे सपा सरकार ने बनाई थी।

मोदी ने नए प्रधानमंत्री ऑफिस सेवा तीर्थ का उद्घाटन किया

बिल्डिंग पर लिखा है: नागरिक देवो भव

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'सेवा तीर्थ' कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। इसमें अब प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO), नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल सचिवालय (NSCS) और कैबिनेट सचिवालय काम करेंगे। PMO शुक्रवार से रायसीना हिल स्थित साउथ ब्लॉक से सेवा तीर्थ में शिफ्ट हो जाएगा। उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री ने नए कॉम्प्लेक्स में लगी सेवा तीर्थ की पट्टिका का अनावरण किया। परिसर की दीवार पर देवनागरी लिपि में ह्यसेवा तीर्थ लिखा है। इसके नीचे ह्यनागरिक देवो भव (नागरिक भगवान के समान हैं) का मंत्र भी लिखा गया है। न्यूज एजेंसी के अनुसार, PM सेवा तीर्थ से एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसके अलावा, वे पुराने ढट ऑफिस में केंद्रीय कैबिनेट की विशेष बैठक भी करेंगे। यह बैठक शुक्रवार शाम 4 बजे तय है। यह ब्रिटिश काल की सेक्रेटेरिएट बिल्डिंग में आखिरी कैबिनेट बैठक होगी। प्रधानमंत्री का ऑफिस 1947 से साउथ ब्लॉक में रहा है। ये इमारत करीब 78 सालों से देश की सत्ता का केंद्र रही है। 2014 से, मोदी सरकार ने ब्रिटिश शासकों के प्रतीकों से दूर जाने के लिए लगातार कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए PMO कॉम्प्लेक्स सेवा तीर्थ में महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्गों से जुड़े अहम फैसलों की फाइलों पर साइन किए। सरकार के अनुसार, इन फैसलों का उद्देश्य इन वर्गों को सीधा लाभ पहुंचाना है। प्रधानमंत्री ने ढट राहत योजना से जुड़ी फाइलों पर भी साइन किए। इस पहल के

1189 करोड़ रुपये की लागत से बना सेवा तीर्थ

सेवा तीर्थ का मतलब है 'सेवा का स्थान'। पहले इसका नाम 'एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव' रखा गया था, लेकिन 2 दिसंबर 2025 में इसका नाम बदलकर सेवा तीर्थ रखा गया। यह नई दिल्ली में दारा शिकोह रोड पर एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव में स्थित है। यह करीब 2.26 लाख वर्ग फीट (करीब 5 एकड़) में बना है। इसे एल एंड टी कंपनी ने 1189 करोड़ रुपये में बनाया है। नए PMO के पास ही प्रधानमंत्री का नया आवास भी बन रहा है। इसके तैयार होने के बाद प्रधानमंत्री 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित मौजूदा आवास से नए आवास में शिफ्ट हो जाएंगे। हालांकि, अभी इसकी तारीख सामने नहीं आई है।

तमिलनाडु: एक्टर विजय की रैली में समर्थक की मौत

■ अन्नाद्रमुक ने कहा: टीवीके की रैलियों में शामिल होना है तो ताबूत लेकर जाएं

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सलेम में तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) चीफ विजय की रैली में शुक्रवार को 37 साल के एक समर्थक की हीटस्ट्रोक के कारण मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र का रहने वाला सूरज TVK चीफ विजय से मिलने गया था। वह रैली के दौरान सीने में दर्द की शिकायत के बाद गिर पड़ा। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में सूरज की मौत हो गई। वह कई सालों से सलेम में रह रहा था। पुलिस ने बताया कि सूरज की कुछ समय पहले एंजियोप्लास्टी हुई थी। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। इस घटना पर विपक्षी पार्टी अन्नद्रमुक ने तंज कसा। AIADMK प्रवक्ता कोवई सत्यन ने कहा- ऐसा लगता है कि विजय की रैली में शामिल होना है तो लोगों को ताबूत साथ ले जाना चाहिए। कोवई सत्यन ने घाना के मशहूर डांसिंग पेलबियरर्स का वीडियो शेयर किया, जो ताबूत उठाकर खास अंदाज में नाचने के लिए दुनियाभर में जाने जाते हैं। पिछले साल 27 सितंबर को तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली के दौरान भगदड़ मची थी। रैली में आई भीड़ अचानक बेकाबू हो गई थी जिसमे कुल 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हुए थे। वहीं, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को बताया कि उनकी सरकार ने कलैगनार महिला अधिकार योजना के तहत राज्य की 1.31 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में 5,000 रुपये जमा किए हैं। CM ने वादा किया कि अगर उनकी पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम फिर से सत्ता में आती है, तो महिलाओं को मिलने वाली 1,000 रुपये की मासिक सहायता बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दी जाएगी।

लखनऊ, अयोध्या व काशी समेत 19 कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी, अलर्ट जारी कर खाली कराया

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में लखनऊ, अयोध्या और वाराणसी समेत 19 जिलों की कचहरी में बम विस्फोट करने की धमकी भरे मेल से हड़कंप मच गया है। सूचना मिलते ही कचहरी परिसर को तत्काल खाली करा लिया गया है। इस घटना के मद्देनजर पूरे परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। कचहरी को वकीलों व वादकारियों से खाली कराया जा रहा है। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं और परिसर की गहन तलाशी ली जा रही है। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है।धमकी भरे मेल की जांच की जा रही है कि यह किसने और क्यों भेजा है। सीजेएम ने सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाल ली है। सीओ सिटी सहित काफी संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है। फिलहाल, किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है। सूत्रों का कहना है कि धमकी भरा मेल जिला जज की मेल आईडी पर आया था। हिंदी में लिखे गए मेल में कहा गया था कि आज दोपहर डेढ़ बजे जुम्मे के बाद कचहरी को बम से उड़ा दिया जाएगा। बच सको तो बच लो। लखनऊ के सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल मिलने के बाद कोर्ट परिसर में जांच और सुरक्षा एजेंसीयां पहुंची हैं। स्थानीय पुलिस के साथ मौके पर अफसर मौजूद हैं।

लखनऊ में 6 लोगों को रौंदने वाला छात्र गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)। कार से 6 लोगों को रौंदने वाला 12वीं का स्टूडेंट गौरव सिंह गिरफ्तार हो गया है। इस हिट एंड रन घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है। इसमें आरोपी गौरव तेज रफ्तार में कार चलाता हुआ दिख रहा है। बताया जा रहा है कि कार में उसकी गर्लफ्रेंड भी थी। दोनों किसी फेयरवेल पार्टी से लौट रहे थे। कार से कुचलकर नानी के साथ मार्केट गए 6 साल के बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 5 लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। जान गंवाने वाला बच्चा दीक्षांत उन्नाव का रहने वाला है। वह ननिहाल में मां साधना के साथ रहता था। केंद्रीय विद्यालय में पढ़ता था। हादसा गुरुवार शाम करीब 7 बजे बंथरा इलाके के कानपुर रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास हुआ। इसका CCTV शुक्रवार को सामने आया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार रुकते ही लड़की उतर गई, जबकि छात्र कार लेकर भाग निकला। वहीं, सूचना पर अस्पताल पहुंची मां अपने बेटे के शव से कफन हटाते ही चीख पड़ी। एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा के मुताबिक, पुलिस ने कार को ट्रेस कर आरोपी छात्र गौरव सिंह को गिरफ्तार किया।

लोकसभा में 'हरदीप पुरी इस्तीफा दो' के नारे लगे

बीजेपी बोली- राहुल सत्ता पाने को देश का बंटवारा चाहते थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के 13वें दिन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही पूरे दिन नहीं चल पाई। लोकसभा की कार्यवाही करीब 10 मिनट ही चल पाई। वहीं, राज्यसभा की कार्यवाही दो घंटे तक चल पाई। अब दोनों सदनों की कार्यवाही 9 मार्च से शुरू होगी। शुक्रवार को सुबह 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने 'हरदीप पुरी इस्तीफा दो' के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके 5 मिनट बाद ही सदन स्थगित कर दी गई। 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इस बार हंगामे के बीच एजुकेशन और कानून मंत्रालय से जुड़े कुछ बिल पेश किए। इसके बाद चेयर पर मौजूद संध्या राय ने लोकसभा 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। संसद का बजट सत्र दो चरण में हो रहा है। पहला- 28 जनवरी से 13 फरवरी तक है। दूसरा चरण 23 दिन के ब्रेक के बाद 9 मार्च से शुरू होगा, जो 2 अप्रैल तक चलेगा। इधर इखढ सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को राहुल गांधी पर आरोप लगाए कि वे सत्ता पाने के लिए देश के बंटवारे की प्लानिंग कर रहे थे। दुबे ने पर एक पोस्ट में लिखा- सोरोस, फोर्ड फाउंडेशन और टुकड़े-टुकड़े गैंग के सरगना राहुल गांधी जी के खिलाफ मेरे आरोप ये हैं, जिनके लिए मैंने लोकसभा स्पीकर से बहस करने की इजाजत मांगी है। क्या लोकसभा में विपक्ष के नेता सत्ता पाने के लिए भारत के बंटवारे की प्लानिंग कर रहे हैं? इससे पहले निशिकांत ने राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा में सब्सटेंसिव मोशन पेश किया है। राहुल पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया है। दुबे ने राहुल की संसद सदस्यता खत्म करने और चुनाव लड़ने पर लाइफटाइम बैन लगाने की मांग की है। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि पंजाब में किसान परेशान हैं। मंत्रीजी बताएं कि एमएसपी को लीगल कब बनाएंगे, इसका सीधा जवाब दें। इस पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा- हमने लागत में 50 फीसदी लाभ जोड़कर एमएसपी तय की है। इनकी सरकार में ऐसा कुछ नहीं था। अब किसान फायदे में हैं। इसलिए खुश भी हैं। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के सीहोर, रायसेन और नर्मदापुरम में मूंग की फसल के सवाल के जवाब में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा- मैं मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्हें मेरे संसदीय क्षेत्र की इतनी चिंता है। सीहोर, रायसेन और हरदा में मूंग की भरपूर पैदावार हो रही है।

राहुल गांधी भ्रम फैलाना चाहते हैं: गिरिराज सिंह

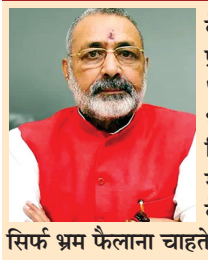

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर कहा- "कौन-सा किसान का मुद्दा, झूठ, लोगों में भ्रम फैलाना, जो चीज देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि किसानों के हित के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होगा। ये देश में सिर्फ भ्रम फैलाना चाहते हैं। ये युद्ध कराना चाहते हैं।"

राहुल गांधी किसान संगठनों के नेताओं से मिले

बोले: किसान हितों से समझौता नहीं, भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ आंदोलन पर बातचीत हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद भवन परिसर में देशभर के किसान संगठनों के नेताओं से मुलाकात की। इस बैठक में भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करने और किसानों व खेत मजदूरों की रोजी-रोटी बचाने की जरूरत पर बात हुई। किसान नेताओं ने इस व्यापार समझौते का विरोध किया। उनका कहना था कि समझौते से मक्का, सोयाबीन, कपास, फल और मेवे उगाने वाले किसानों की रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा। कांग्रेस के अनुसार, राहुल गांधी ने कहा कि इस समझौते से कृषि उत्पादों के आयात का रास्ता खुल गया है। आगे अन्य फसलें भी इससे प्रभावित हो सकती हैं। बैठक में इस समझौते के विरोध में बड़े स्तर पर राष्ट्रीय आंदोलन करने पर बात हुई। राहुल गांधी से मिलने वालों में अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के प्रमुख सुखपाल एस खैरा, हरियाणा के भारतीय किसान मजदूर यूनियन के अशोक बलहारा, बीकेयू क्रांतिकारी के बलदेव एस जीरा, प्रोग्रेसिव फार्मर्स फ्रंट के आर. नंदकुमार, बीकेयू शहीद भगत सिंह के अमरजीत एस मोहड़ी, किसान मजदूर मोर्चा-इंडिया के गुरमनीत एस मंगत और जम्मू-कश्मीर जमीदारा फोरम के हमीद मलिक सहित कई अन्य नेता शामिल थे। यह बैठक उस बयान के एक दिन बाद हुई, जिसमें राहुल गांधी ने कहा था कि सरकार उनके खिलाफ FIR दर्ज करे, केस करे या विशेषाधिकार प्रस्ताव लाए, लेकिन वे किसानों के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे।

उन्होंने PM नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के जरिए वे देश को बेच रहे हैं और किसान विरोधी हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो जारी कर सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कोई भी ऐसा व्यापार समझौता जो किसानों की रोजी-रोटी छीन ले या देश की खाद्य सुरक्षा को कमजोर करे, वह किसान विरोधी है। उन्होंने यह भी कहा कि वे मोदी सरकार को किसानों के हितों से समझौता नहीं करने देंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरक्षित डिजिटल भविष्यः सावधानी, शिक्षा और सशक्त निगरानी की जरूरत

(लेखक- -सुनील कुमार महला)

आज एआई का दौर है, सूचना क्रांति का युग है,जहाँ मशीनें मनुष्य सोच को नई उड़ान देती हैं।सच तो यह है कि आज के समय में ज्ञान, काम और रचनात्मकता सब बदल रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो मानव और तकनीक मिलकर भविष्य गढ़ रहे हैं। वास्तव में यह युग है नवाचार, गति और असीम संभावनाओं का, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमता (एआइ) ने जहां रचना और सूचना प्रसार को नई गति दी है, वहीं इसके दुरुपयोग भी गंभीर चिंता पैदा कर रखी है। यहां यदि हम सरल शब्दों में कहें तो डीपफेक वीडियो, नकली तस्वीरें और एआई से बनी झूठी सामग्री लोगों को धोखा दे रही हैं और उनकी बदनामी भी कर रही हैं। इससे साइबर ठगी बढ़ रही है और समाज में भ्रम फैल रहा है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि साइबर ठगी पर हाल ही में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने यह बात कही है कि यह एक गंभीर और तेजी से बढ़ता अपराध है, जो आम लोगों की मेहनत की कमाई और भरोसे दोनों को नुकसान पहुंचा रहा है। अदालत ने इसे केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक खतरा बताते हुए सरकार और एजेंसियों को इससे सख्ती से निपटने की जरूरत पर जोर दिया है।इस क्रम में हाल ही में केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए नियम बहुत सख्त कर दिए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा तैयार हर फोटो, वीडियो पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा। इसके अलावा अगर इन प्लेटफॉर्म्स पर कोई गलत, गैर-कानूनी वीडियो या फोटो डाली जाती है, तो कंपनियों को उसे सूचना मिलने के सिर्फ तीन घंटे में हटाना होगा। गौरतलब है कि सरकार ने डीपफेक और एआई के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए यह कदम उठाया है। यह नए नियम 20 फरवरी से लागू होंगे। उल्लंघन करने पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और अन्य कानूनों के तहत कार्रवाई एवं जुर्माना लग सकता है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 10 फरवरी 2026 मंगलवार को सभी विभागों को यह निर्देश दिया कि लोगों को साइबर धोखाधड़ी से बचाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। सभी बैंक, आई4सी, विभाग सामूहिक प्रयास करें, ताकि ठगों को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके। इतना ही नहीं,केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने आरबीआई और गृह मंत्रालय द्वारा बनाए गए म्यूल अकाउंट हंटर ऐप को सभी बैंकों को अपनाने की सलाह दी है। उन्होंने सीबीआई द्वारा गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4 सी) के सहयोग से आयोजित सम्मेलन के दौरान यह बात कही है कि देश में हर 37 सेकंड में एक व्यक्ति साइबर ठगों का शिकार बन रहा है। प्रति घंटे औसतन सौ लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। वर्ष 2021 में जहां 52 हजार शिकायतें थीं, वहीं अब यह संख्या 86 हजार हो गई है।गृह मंत्री ने कहा, जितनी तेजी से डिजिटल लेनदेन बढ़े हैं, उतनी ही तेजी से जोखिम बढ़ा है। पहले यह लोन वुल्फ अटैक हुआ करता था, अब यह संगठित अपराध के रूप में सामने आ रहा है। अपराधी नई तकनीक अपना रहे हैं, इसलिए हमें सामूहिक प्रयास करने होंगे। गौरतलब है कि इस क्रम में यानी कि साइबर सुरक्षा के मद्देनजर 12 लाख सिम कार्ड भी रद्द किए गए हैं।इस दौरान श्री शाह ने 1930 के कॉल सेंटर पर पर्याप्त संख्या में कॉल हैंडलर तैनात करने के भी निर्देश दिए हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि साइबर धोखाधड़ी के विभिन्न खतरों को देखते हुए केंद्र सरकार ने आईटी नियम, 2021 में जो नया बदलाव किया है, वह इंटरनेट को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की दिशा में एक जरूरी और सही व सकारात्मक कदम है। जैसा कि इस आलेख में ऊपर भी चर्चा कर चुका हूं कि आगामी 20 फरवरी से लागू होने जा रहे इन नियमों के तहत अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) से तैयार किए गए फोटो और वीडियो पर लेबल लगाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही फेक कंटेंट को हटाने की समय सीमा 36 घंटे से घटाकर मात्र तीन घंटे कर दी गई है। बहुत अच्छी बात यह है कि नए प्रावधानों के तहत एआइ कंटेंट में स्थायी मेटाडेटा और डिजिटल पहचान चिह्न जोड़ने की अनिवार्यता भी तय की गई है, ताकि ऐसे कंटेंट की पहचान आसानी से की जा सके। यह बदलाव डिजिटल पारदर्शिता और नागरिक सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम है। नए नियमों का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि अब एआइ से बने कंटेंट को छिपाना आसान नहीं रहेगा। वास्तव में, डिजिटल सामग्री पर सही लेबल और पहचान चिह्न होने से आम आदमी यह समझ सकेगा कि जो वह देख रहा है, वह असली है या तकनीक से बनाई गई है। इससे सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहें और झूठी खबरें कम होंगी। खासकर चुनाव, सामाजिक मुद्दों और संवेदनशील घटनाओं के समय यह लोकतंत्र को सुरक्षित रखने में मदद करेगा।लेकिन सिर्फ नियम बना देना काफी नहीं है।यह भी बहुत ही ज़रूरी व आवश्यक है कि उन्हें सख्ती से पूरे देश में लागू भी किया जाए, क्योंकि डिजिटल प्लेटफॉर्म बहुत ज़्यादा हैं और कंटेंट की मात्रा भी बहुत बड़ी है। यहां यदि हम आंकड़ों की बात करें तो भारत में आज डिजिटल प्लेटफॉर्म और कंटेंट का दायरा तेज़ी से फैल चुका है। देश में 90 करोड़ से अधिक इंटरनेट यूज़र हैं और स्मार्टफोन के ज़रिये डिजिटल खपत लगातार बढ़ रही है। यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और एक्स (ट्विटर) जैसे प्लेटफॉर्म पर करोड़ों सक्रिय यूज़र रोज़ाना वीडियो, रील्स, न्यूज़, पॉडकास्ट और शॉर्ट-फॉर्म कंटेंट देख रहे हैं। भारत दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन वीडियो बाज़ारों में गिना जाता है, जहाँ औसतन एक यूज़र दिन में कई घंटे डिजिटल कंटेंट पर बिताता है। ओटीटी प्लेटफॉर्म (नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम, हॉटस्टार आदि) के सब्सक्राइबर भी करोड़ों में हैं, जबकि डिजिटल न्यूज़, क्रिएटर इकॉनमी और लोकल-भाषा कंटेंट की हिस्सेदारी तेज़ी से बढ़ी है। कुल मिलाकर, भारत में डिजिटल प्लेटफॉर्म आज सूचना, मनोरंजन, शिक्षा और रोज़गार-चारों के लिए एक मज़बूत आधार बन चुके हैं। इसलिए मजबूत तकनीकी निगरानी, प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी तय करना और नियम तोड़ने पर तुरंत कार्रवाई करना जरूरी है। अगर नियमों को हल्के में लिया गया, तो उनका कोई फायदा नहीं होगा।इसके साथ ही नागरिकों में डिजिटल साक्षरता बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। लोगों को यह समझना होगा कि हर वायरल वीडियो या तस्वीर सत्य नहीं होती। जागरूक उपयोगकर्ता ही फेक कंटेंट की श्रृंखला को तोड़ सकता है। सरकार, सोशल मीडिया कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा। भ्रमजाल फैलने से रोकने के लिए सरकार और समाज दोनों के साझा प्रयासों की दरकार है। अंत में निष्कर्ष के तौर पर यही कहूंगा कि डिजिटल तकनीक ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ-साथ डिजिटल धोखाधड़ी एक गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। फर्जी कॉल, फ़िशिंग लिंक, नकली ऐप, साइबर ठगी और डेटा चोरी जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिनका सीधा असर आम नागरिकों की आर्थिक सुरक्षा और भरोसे पर पड़ता है। यह समस्या केवल तकनीकी नहीं, बल्कि जागरूकता, कानून और साइबर सुरक्षा व्यवस्था से भी जुड़ी हुई है। जब तक उपयोगकर्ता सतर्क नहीं होंगे, डिजिटल साक्षरता नहीं बढ़ेगी और नियमों का सख़्ती से पालन नहीं होगा, तब तक इस खतरे पर पूरी तरह अंकुश लगाना मुश्किल है। इसलिए सुरक्षित डिजिटल भविष्य के लिए सावधानी, शिक्षा और मजबूत निगरानी तंत्र तीनों अनिवार्य हैं।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

जैसा कि इस आलेख में ऊपर भी चर्चा कर चुका हूं कि आगामी 20 फरवरी से लागू होने जा रहे इन नियमों के तहत अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) से तैयार किए गए फोटो और वीडियो पर लेबल लगाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही फेक कंटेंट को हटाने की समय सीमा 36 घंटे से घटाकर मात्र तीन घंटे कर दी गई है। बहुत अच्छी बात यह है कि नए प्रावधानों के तहत एआइ कंटेंट में स्थायी मेटाडेटा और डिजिटल पहचान चिह्न जोड़ने की अनिवार्यता भी तय की गई है, ताकि ऐसे कंटेंट की पहचान आसानी से की जा सके। यह बदलाव डिजिटल पारदर्शिता और नागरिक सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम है।

संपादकीय

कर्ज के मर्ज

गांधी जी अक्सर कहा करते थे कि भारत की आत्मा गांव और खेतीकिसानी में बसती है। लेकिन आजादी के बाद भी कृषि क्षेत्र की विसंगतियां व विरोधाभास अंतिम रूप से दूर नहीं हुए। भले ही किसान दमनकारी साहूकारों के चंगुल से किसी हद तक मुक्त हो गए हों, लेकिन धीरे-धीरे सरकारी, सहकारी और अन्य वित्तीय संस्थानों के कर्ज तले दबते चले गए। फिलहाल सकारात्मक पक्ष यह है कि केंद्र सरकार रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन, डिजिटल तकनीकों से खेती के तौर-तरीकों में बदलाव और ऋण विस्तार को आसान बनाने के लिये प्रयत्नशील है। लेकिन नकारात्मक पक्ष यह है कि किसान कर्ज के दुश्चक्र में फंसता जा रहा है। यह कड़वी सच्चाई हाल रिपोर्ट से प्रकाश में आए आंकड़ों से उजागर हुई है। पिछले दिनों प्रकाशित रिपोर्ट में यह चिंताजनक तथ्य सामने आया है कि अनाज के भंडार के रूप से प्रसिद्ध राज्य पंजाब व हरियाणा के किसान देश के सबसे ज्यादा ऋणग्रस्त राज्यों में शुमार हैं। हाल में जारी रिपोर्ट के अनुसार पंजाब व हरियाणा में प्रति कृषि परिवार पर 2.03 लाख और 1.83 लाख रुपये का ऋण बकाया है। जो देश में सबसे ज्यादा ऋण लेने वाले राज्यों में तीसरा व चौथा स्थान बनता है। यह स्थिति तब है जब ऋण का यह राष्ट्रीय औसत 74, 121 रुपये है। केवल आंध्र प्रदेश और केरल में ही इससे अधिक ऋण का बोझ दर्ज किया गया है। वहीं दूसरी ओर नागालैंड, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कृषि ऋण नगण्य ही है। यह स्थिति भारतीय कृषि में गहरे संरचनात्मक असुंतलन को ही उजागर करती है। निस्संदेह, पंजाब और हरियाणा में किसान परिवारों पर भारी कर्ज कोई महज संयोग नहीं है। निर्विवाद रूप से पंजाब व हरियाणा ने देश में हरित क्रांति का नेतृत्व किया है। इन राज्यों ने समय की जरूरत के हिसाब से बहुउपयोगी कृषि को अपनाया है और भारत की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ बने हैं। मगर विषम परिस्थितियों के चलते इसका अपेक्षित लाभ किसानों को नहीं मिल पाया। लेकिन यह एक हकीकत है कि हाल के दशकों में खेती का यह मॉडल काफी दबाव में आ गया है। खेती-किसानी की लगातार बढ़ती लागत, स्थिर कृषि आय, छोटी और खंडित भू-जोत, अनियमित मानसून, खरीद प्रक्रिया में देरी और बढ़ते घरेलू खर्च ने ऋण पर निर्भरता का दुश्चक्र स्थापित कर दिया है। इसमें दो राय नहीं कि देश में संस्थागत ऋण की आसान उपलब्धता ने इन राज्यों में कृषि उत्पादकता को बढ़ावा दिया है। लेकिन यह भी एक कड़वी हकीकत है कि ऋण की सहज उपलब्धता ने किसानों के जीवनयापन के साधन के रूप में उधार लेने की प्रक्रिया को सामान्य स्थिति बना दिया है। किसान खेती-किसानी की जरूरतों से इतर भी बड़े पैमाने पर ऋण लेने लगे। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार दावा करती रही है कि वह किसानों के हितों को हमेशा ही प्राथमिकता देती रही है। किसानों के जीवन में बदलाव के लिये 84.8 करोड़ किसानों के लिये डिजिटल आईडी, भौगोलिक संदर्भ पर आधारित फसल सर्वेक्षण और सुव्यवस्थित प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण से दक्षता और पारदर्शिता का वायदा किया जा रहा है। भारत के केंद्रीय बैंक आरबीआई द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड योजना में प्रस्तावित सुधार-फसल चक्र के साथ ऋण की अवधि को संरेखित करना- इस बात का संकेत है कि ऋण को बदलती कृषि परिस्थितियों के अनुरूप विकसित किया जाना चाहिए। प्रौद्योगिकी और बेहतर ढंग से डिजाइन किए गए ऋण स्वागत योग्य कदम है। लेकिन ये प्रावधान अकेले ही गहरी जड़ें जमा चुके ऋण संकट की समस्या को दूर नहीं कर सकते हैं। यह कटु सत्य है कि यदि आय लागत के अनुरूप नहीं बढ़ती, यदि बदलते हालत में फसल विविधीकरण के प्रयास सिरे नहीं चढ़ते तथा देश में यदि जलवायु परिवर्तन का चक्र तेज होता है, तो ऋणों का दबाव बना रहेगा।

बांग्लादेश में बीएनपी की वापसी

(लेखक -कांतिलाल मांडोत (लेखक -कांतिलाल मांडोत)

- नई सत्ता, नए संकेत भारत बांग्लादेश रिश्तों और हिंदू सुरक्षा पर क्या असर पड़ेगा?

बांग्लादेश की राजनीति में लंबे अंतराल के बाद एक बड़ा बदलाव आया है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की स्पष्ट जीत और उसके नेता तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने की संभावना ने न केवल ढाका की सत्ता संरचना को बदला है, बल्कि नई दिल्ली की कूटनीतिक प्राथमिकताओं को भी सक्रिय कर दिया है। चुनाव परिणामों ने यह स्पष्ट किया है कि मतदाताओं ने स्थिरता, अनुभव और राजनीतिक विरासत को प्राथमिकता दी। अब सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि इस परिवर्तन का भारत-बांग्लादेश संबंधों और विशेष रूप से बांग्लादेश के हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

भारत और बांग्लादेश के रिश्ते ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भू-राजनीतिक रूप से गहरे जुड़े रहे हैं। 1971 के मुक्ति संग्राम से लेकर हाल के वर्षों तक दोनों देशों ने सुरक्षा, व्यापार, जल बंटवारे और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में उल्लेखनीय सहयोग किया है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में भारत के साथ संबंध अपेक्षाकृत प्रगाढ़ रहे। सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी सहयोग और पूर्वोत्तर भारत के लिए ट्रांजिट सुविधाओं ने द्विपक्षीय भरोसे को मजबूत किया। ऐसे में सत्ता परिवर्तन को स्वाभाविक रूप से एक नए संतुलन की तलाश के रूप में देखा जा रहा है।

तारिक रहमान की वापसी और उनकी पार्टी की बहुमत के साथ जीत ने यह संकेत दिया है कि बांग्लादेशी मतदाता एक मजबूत राजनीतिक केंद्र चाहते हैं। हालांकि बीएनपी का अतीत भारत के साथ संबंधों को लेकर मिश्रित रहा है, लेकिन वर्तमान वैश्विक और क्षेत्रीय परिस्थितियाँ किसी भी नई सरकार को व्यावहारिक कूटनीति अपनाने के लिए बाध्य करती हैं। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था निर्यात, विशेषकर रेडीमेड गारमेंट सेक्टर, और क्षेत्रीय स्थिरता पर निर्भर है। भारत उसके लिए एक बड़ा बाजार और रणनीतिक साझेदार है। इसलिए टकराव की राजनीति के बजाय सहयोग की राह चुनना नई सरकार के हित में होगा।

जहाँ तक हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का प्रश्न है, यह विषय केवल आंतरिक राजनीति का मुद्दा नहीं, बल्कि द्विपक्षीय संवेदनशीलता का भी हिस्सा है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय ऐतिहासिक रूप से सामाजिक और आर्थिक जीवन का महत्वपूर्ण अंग रहा है। समय-समय पर सांप्रदायिक तनाव और छिटपुट घटनाएँ सामने आती रही हैं, जिन पर भारत में चिंता व्यक्त होती रही है। नई सरकार के लिए यह एक कसौटी होगी कि वह कानून-व्यवस्था को निष्पक्ष और कठोर बनाए रखे तथा किसी भी प्रकार की हिंसा या भेदभाव पर त्वरित कार्रवाई करे।

बीएनपी की जीत को कट्टरपंथी राजनीति की अस्वीकृति के रूप में भी देखा जा रहा है, क्योंकि जमात-ए-इस्लामी को अपेक्षित समर्थन नहीं मिला। यह संकेत देता है कि मतदाता अतिवादी एजेंडे से दूरी चाहते हैं। यदि नई सरकार इस जनादेश को समझते हुए समावेशी शासन का मॉडल अपनाती है, तो हिंदू समुदाय के लिए सुरक्षा और विश्वास का वातावरण बन सकता है। अल्पसंख्यकों की सुरक्षा केवल बयानबाजी से नहीं, बल्कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति और राजनीतिक स्पष्टता से सुनिश्चित होती है। तारिक रहमान के सामने अवसर है कि वे अपनी सरकार को आधुनिक, आर्थिक सुधारों पर केंद्रित और सामाजिक समरसता को प्राथमिकता देने वाली सरकार के रूप में स्थापित करें।

भारत के दृष्टिकोण से देखें तो नई दिल्ली की नीति आमतौर पर व्यक्तियों के बजाय संस्थागत संबंधों पर आधारित रही है। चाहे ढाका में अवामी लीग की सरकार रही हो या अब बीएनपी की, भारत का प्रयास रहेगा कि सहयोग के मौजूदा ढांचे को बनाए रखा जाए। सीमा पार आतंकवाद, अवैध घुसपैठ और तस्करी जैसे मुद्दे दोनों देशों के साझा हितों से जुड़े हैं। यदि नई सरकार इन क्षेत्रों में निरंतर सहयोग बनाए रखती है, तो द्विपक्षीय विश्वास बना रहेगा।

हिंदुओं की सुरक्षा का सवाल अक्सर भावनात्मक रूप ले लेता है, लेकिन इसका समाधान संस्थागत मजबूती में निहित है। बांग्लादेश का संविधान धर्मनिरपेक्ष मूल्यों की बात करता है, और वहां की न्यायपालिका तथा नागरिक समाज सक्रिय रहे हैं। यदि सरकार इन संस्थाओं को स्वतंत्र और प्रभावी बनाए रखती है, तो किसी भी समुदाय के साथ अन्याय की संभावना कम होती है। भारत भी राजनयिक माध्यमों से अपनी चिंताओं को रचनात्मक ढंग से रख सकता है, जैसा कि अतीत में होता आया है।

आर्थिक आयाम भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। भारत-बांग्लादेश व्यापार लगातार बढ़ा है, और ऊर्जा सहयोग, रेलवे संपर्क तथा जलमार्ग विकास जैसी परियोजनाएँ दोनों देशों को परस्पर निर्भरता की दिशा में ले जा रही हैं। नई सरकार यदि आर्थिक सुधारों और निवेश को प्राथमिकता देती है, तो उसे क्षेत्रीय स्थिरता की आवश्यकता होगी। यह स्थिरता अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और सामाजिक शांति से सीधे जुड़ी है। इसलिए व्यावहारिक राजनीति की मांग है कि सरकार किसी भी प्रकार की सांप्रदायिक अस्थिरता को बढ़ावा न दे।

तारिक रहमान के लिए यह भी एक अवसर है कि वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर बांग्लादेश की सकारात्मक छवि को पुनर्स्थापित करें। लंदन से लंबे निर्वासन के बाद उनकी वापसी और भारी जनसमर्थन ने उन्हें एक नई वैधता दी है। यदि वे इस वैधता का उपयोग समावेशी शासन और पड़ोसी देशों के साथ संतुलित संबंधों के लिए करते हैं, तो भारत-बांग्लादेश संबंधों में नई ऊर्जा आ सकती है। भारत भी पड़ोसी प्रथम नीति के तहत ढाका के साथ रचनात्मक संवाद को प्राथमिकता देगा।

बीएनपी की जीत को केवल सत्ता परिवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि बांग्लादेशी लोकतंत्र की एक नई परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। हिंदू समुदाय की सुरक्षा इस परीक्षा की एक महत्वपूर्ण कसौटी होगी। यदि नई सरकार कानून के शासन को सर्वोपरि रखती है और किसी भी प्रकार के सांप्रदायिक तनाव पर सख्ती से नियंत्रण करती है, तो न केवल हिंदू सुरक्षित रहेंगे, बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंध भी अधिक परिपक्व और स्थिर बनेंगे। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि ढाका की नई सत्ता समावेश और सहयोग की राह चुनती है या राजनीतिक ध्रुवीकरण की। फिलहाल संकेत यही हैं कि जनादेश स्थिरता और व्यावहारिकता के पक्ष में है, और यही दोनों देशों के साझा हित में भी है।

(रु।03 जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

भक्तों की सहायता करते हैं ईश्वर

ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों एवं सद्व्यक्तियों पर रहती है। अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि जीवन में कभी न कभी कठिन समय में ईश्वर स्वयं आकर आपकी सहायता कर चुके हैं। उस कठिन समय में आपके अंदर भक्ति की भावना उमड़ रही होगी और आप ईश्वर को याद कर रहे होंगे। शास्त्र कहता है कि ईश्वर के लिए संसार का हर जीव उसकी संतान के समान है। जो व्यक्ति उसके बनाये नियमों का पालन करते हुए जीवन यापन करता है ईश्वर उसकी सहायता अवश्य करते हैं। गजराज की कहानी आपने जरूर सुनी या पढ़ी होगी। नदी में गजराज को मगरमच्छ ने पकड़ लिया। इस कठिन समय में गजराज ने भगवान को पुकारा और भगवान विष्णु प्रकट हो गये। भगवान ने अपने चक्र से मगरमच्छ का सिर काट दिया और गजराज के प्राण की रक्षा की। सूरदास जी के जीवन की भी एक ऐसी ही कथा है। सूरदास जी देख नहीं सकते थे। एक बार गलती से एक गड्ढे में गिर गये। गड्ढे से निकलने का काफी प्रयास करने पर भी वह बाहर निकलने में असफल रहे। इस स्थिति में सूरदास जी ने गोपाल को पुकारा। भगवान श्री कृष्ण बालक रूप में पहुंच गये और सूरदास जी को गड्ढे से बाहर निकाला। मीरा के प्राण की रक्षा के लिए भगवान ने मीरा को मारने के लिए भेजे गये विष को प्रभावहीन कर दिया। बघेलखण्ड के बान्धवगढ़ में रहने वाले सेन नामक नाई की भी भगवान ने सहायता की और बघेलखंड का राजा सेन नाई का भक्त बन गया। यह घटना पांच छ- सौ साल पुरानी है। सेन नाई राजा की सेवा करता था। इसका काम प्रतिदिन राजा की हजामत बनाना और तेल मालिश करके स्नान कराना था। एक दिन सेन नाई जब राजमहल की ओर चला तब रास्ते में संतों की टोली मिल गयी। नाई उन्हें लेकर घर आ गया और उनकी खूब सेवा की। संतों के साथ बैठकर सत्संग में भाग लिया। राजा के स्नान करने का समय बीता जा रहा था। नाई के नहीं आने से राजा क्रोधित हो रहे थे। इसी समय भगवान स्वयं सेन नाई का वेष धारणकर राजा की सेवा में पहुंच गये। नई बने भगवान की सेवा से राजा का क्रोध दूर हो गया और मन हर्षित हो गया। सत्संग समाप्त होने के बाद सेन नाई को याद आया कि राजा की सेवा में देरी हो गयी है। हजामत का सामान लेकर डरता हुआ सेन नाई राजमहल में पहुंचा। राजा को देर से आने का कारण बताने लगा। इस पर राजा ने कहा कि तुम तो मेरी हजामत बना चुके हो। आज तुम्हारी सेवा से मैं अत्यंत प्रसन्न हूं। नाई समझ गया कि आज उसके कारण भगवान को नाई बनना पड़ा। इससे नाई को बड़ा अफसोस हुआ। राजा को जब इस बात का ज्ञान हुआ कि नाई की भक्ति की लाज रखने के लिए भगवान स्वयं आज नाई बनकर आये थे। राजा नाई की भक्त बन गया और उसे अपना गुरू मान लिया। ऐसी कई घटनाएं हैं जो ईश्वर के अस्तित्व और उसकी सहायता का प्रमाण देते हैं। इसलिए कभी भी खुद को बेसहारा नहीं समझना चाहिए। ईश्वर पर आस्था रखने वालों की ईश्वर सदैव सहायता करते हैं।

विचार मंथन

उप्र सरकार का 'ऑपरेशन लंगड़ा' और 'ऑपरेशन बुलडोजर' कानून की नजर में

(लेखक- सनत जैन)

उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए हैं। उसके बाद उत्तर प्रदेश में दो शब्द खूब चर्चा में रहे हैं- 'ऑपरेशन लंगड़ा' और 'ऑपरेशन बुलडोजर'। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ऐसे ही शासन व्यवस्था की पहचान बन चुके हैं। राज्य सरकार का दावा है, इन अभियानों ने अपराधियों में भय पैदा किया है। उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है। वहीं आलोचकों का कहना है, इन कार्रवाइयों ने विधि-व्यवस्था के साथ-साथ संवैधानिक सिद्धांतों पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। उत्तर प्रदेश में पुलिस राज कायम हो गया है। शासन की सरपरस्ती में उत्तर प्रदेश की पुलिस बेखौफ हो गई है। अपराध कम होने के स्थान पर बढ़ते चले जा रहे हैं। हां पुलिस को लेकर आम आदमी भयभीत है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इसका कब कौन शिकार हो जाएगा, इसको लेकर आम नागरिक हमेशा असमंजस में रहते हैं। रही सही कसर धार्मिक ध्रुवीकरण के कारण उत्तर प्रदेश में भय एवं आतंक का वातावरण बना हुआ है। 'ऑपरेशन लंगड़ा' शब्द उन पुलिस मुठभेड़ों के लिए प्रचलित हुआ, जिसमें आरोपियों के पैर में गोली लगने की घटनाएं बड़े पैमाने पर सामने आईं हैं। कई मामलों में अदालतों ने पुलिस की कार्यवाही के खिलाफ टिप्पणी की है। कानून के हिसाब से पुलिस की भूमिका आरोपी को पकड़कर न्यायालय के सामने प्रस्तुत करना है, नाकि आरोपी या अपराधी को सीधे दंडित करना है। इलाहाबाद हाईकोर्ट स्पष्ट कर चुका है, न्याय करने का अधिकार अदालत के पास है, पुलिस के पास नहीं। यदि उत्तर प्रदेश की हर मुठभेड़ की कहानी एक जैसी हो, आत्मरक्षा में गोली चलाने से अपराधी की मौत या अपराधी के पैर में गोली लगना, इन दोनों को न्यायपालिका, पुलिस द्वारा कानून का उल्लंघन मानती है। जिस बड़े पैमाने पर उत्तर प्रदेश में इस तरह की घटनाएं बढ़ती चली जा रही हैं, उसके बाद न्यायपालिका की भी चिंता बढ़ती जा रही है। 'ऑपरेशन बुलडोजर' के तहत अवैध निर्माणों को हटाने की प्रशासनिक कार्रवाई पर न्यायपालिका द्वारा विरोध जताया गया है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देश होने के बाद भी सरकार का तर्क है, यह कार्रवाई कानून के तहत की गई है। अवैध संपत्तियों और अपराध से अर्जित परिसंपत्तियों के खिलाफ कार्यवाही है। पुलिस को यदि रक्षा के लिए हथियार दिए गए हैं तो वे देखने के लिए नहीं बल्कि चलाने के लिए हैं। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों द्वारा कई बार बिना पर्याप्त नोटिस या बिना सुनवाई के घरों को गिरा दिया गया। जिससे 'न्यायिक प्रक्रिया' को लेकर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट कई निर्देश जारी कर चुकी है। सरकार द्वारा उन आदेशों और निर्देशों पर अमल नहीं हो रहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 में (समानता के अधिकार) और अनुच्छेद 21 में (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का जो संवैधानिक अधिकार) दिया गया है उसके तहत किसी भी नागरिक के साथ विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के बिना कार्रवाई नहीं की जा सकती। यदि इस तरीके की कार्यवाही की जाती है, तो वह पूरी तरीके से गैर कानूनी और अवैधानिक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासनिक और पुलिस द्वारा चलाए जा रहे, इस तरह के अभियानों का सार्वजनिक रूप से समर्थन किया है। मुख्यमंत्री का कहना है, अपराध के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति जरूरी है। सरकार की सरपरस्ती में उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी बेखौफ होकर आम नागरिकों को दंडित करने लगे हैं, जिसके कारण उत्तर प्रदेश में न्यायपालिका एक तरह से अलग-थलग पड़ चुकी है। सरकार का यह तर्क अपनी जगह महत्वपूर्ण है, आम नागरिक सुरक्षा और शांति चाहता है।

परंतु लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून के पालन में सख्ती और संवैधानिक मर्यादा में नियम और कानून का पालन हो यह सुनिश्चित कार्यपालिका के लिए अनिवार्य है। कानून की नजर में कोई भी व्यक्ति तब तक अपराधी नहीं माना जाता, जब तक अदालत उसे दोषी न ठहरा दे। यदि राज्य की शक्ति को दंडात्मक रूप में राज्य के अधिकारी उपयोग करने लगेंगे तो ऐसे में नागरिकों के अधिकार और न्यायिक प्रक्रिया पीछे छूट जाएगी। लोकतंत्र के मूल ढांचे के अनुसार इस तरह की कार्यवाही को कहीं से भी सही नहीं ठहराया जा सकता है।

आवश्यकता इस बात की है कि अपराध के खिलाफ कठोरता के साथ-साथ पारदर्शिता और नियम के अनुसार प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी जांच करने के बाद अपने अधिकारों का प्रयोग करें। सक्षम न्यायिक निगरानी और मानवाधिकारों की रक्षा सरकार द्वारा सुनिश्चित की जाए। तभी संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार कानून का राज मजबूत होगा। उत्तर प्रदेश में जिस तरह का पुलिस राज्य कायम हो रहा है, उसको लेकर बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट जाता चुके हैं। इसके बाद भी उत्तर प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली में कोई अंतर देखने को नहीं मिल रहा है, जो चिंता का विषय है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो लोगों को कानून पर विश्वास नहीं रह जाएगा और नागरिक स्वयं विद्रोह करने के लिए विवश हो जाएंगे। अब लोगों को पुराने राजतंत्र तथा अंग्रेजों के शासन व्यवस्था की याद आने लगी है। उत्तर प्रदेश में कानून का राज ना होकर एक तरह से योगीराज स्थापित हो गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महंगाई के नए आंकड़ों के बाद भी आरबीआई नहीं बदलेगा ब्याज दरें: रिपोर्ट

- आरबीआई की प्राथमिकता महंगाई और बाजार में तरलता संभालना होगी

नई दिल्ली । यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक नए आधार वर्ष 2023-24 के तहत जनवरी 2026 में हेडलाइन सीपीआई 2.75 फीसदी पर रहा, जो अनुमान के मुताबिक है। वहीं कोर महंगाई 3.46 फीसदी पर आ गई, जो पुराने अनुमान से बेहतर स्थिति दर्शाती है। खाद्य महंगाई 2.11 फीसदी पर रही। आंकड़ों के अनुसार नए आधार वर्ष ने डेटा की गणना अधिक सटीक और व्यापक बनाई है। खाने-पीने का वजन लगभग 46 फीसदी से घटकर 40 फीसदी हुआ और बाजारों, शहरों तथा वस्तुओं को ज्यादा शामिल किया गया। कोर सीपीआई में गिरावट मुख्यतः गोल्ड सीपीआई के भार घटने के कारण आई। सोने को छोड़कर कोर महंगाई बढ़कर 2.91 फीसदी हुई, जो अंतर्निहित महंगाई के कमजोर होने का संकेत देती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आधार वर्ष बदलने से आरबीआई की नीतिगत सोच में तुरंत कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। मौद्रिक नीति समिति सिर्फ सालाना आंकड़ों पर नहीं, बल्कि महंगाई की रफ्तार और आगे के ट्रेंड पर ज्यादा ध्यान देगी। आने वाले महीनों में आरबीआई की प्राथमिकता महंगाई और बाजार में तरलता संभालना होगी। इसलिए ब्याज दरों को फिलहाल यथावत रखने की संभावना है।

प्रसन्ना कुमार डी बने आईसीएआई के 74वें अध्यक्ष, मंगेश उपाध्यक्ष

नई दिल्ली । इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने वर्ष 2026-27 के लिए प्रसन्ना कुमार डी को 74वें अध्यक्ष के रूप में चुना गया। इसके साथ ही मंगेश पांडुरंग किनारे संस्थान का नया उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। यह चुनाव आईसीएआई की 26वीं काउंसिल द्वारा संपन्न किया गया। प्रसन्ना कुमार डी चार दशकों से अधिक समय से पेशेवर लेखांकन क्षेत्र से जुड़े हैं। वे 1984 में चार्टर्ड अकाउंटेंट बने और आईसीएआई में उपाध्यक्ष सहित विभिन्न पदों पर कार्यरत रहे। पेशेवर दक्षता के अलावा, वे वॉलीबॉल खिलाड़ी भी हैं। आईसीएआई दुनिया के सबसे बड़े पेशेवर लेखा निकायों में से एक है। इसमें 15 लाख से अधिक सदस्य और छात्र जुड़े हैं। भारत में इसके 5 क्षेत्रीय परिषदें और 185 शाखाएं हैं। वैश्विक स्तर पर संस्थान के 54 विदेशी चैप्टर और 31 प्रतिनिधि कार्यालय सक्रिय हैं।

जनवरी में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 13 प्रतिशत बढ़ी : सियाम

नई दिल्ली । सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने शुक्रवार को जानकारी दी कि जनवरी 2026 में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री 4,49,616 इकाई रही, जो पिछले साल इसी महीने के 3,99,386 इकाई की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है। सियाम के अनुसार जनवरी में दोपहिया वाहनों की बिक्री में सबसे तेज वृद्धि देखी गई। जनवरी 2026 में 19,25,603 इकाई विक्रय हुई, जबकि जनवरी 2025 में यह संख्या 15,26,218 थी, यानी 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी। तिपहिया वाहनों की बिक्री भी बढ़ी और सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़कर 75,725 इकाई हो गई। पिछले वर्ष इसी महीने में यह 58,167 इकाई थी। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि वाहन बाजार में मांग में तेजी बनी हुई है। दोपहिया और तिपहिया वाहनों की मजबूत बिक्री ने वृद्धि दर को बढ़ावा दिया है, जबकि घरेलू यात्री वाहन भी सकारात्मक रुझान दिखा रहे हैं। उद्योग विशेषज्ञ इसे भारतीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र के स्थिर और पुनरुत्थानशील प्रदर्शन के संकेत के रूप में देख रहे हैं।

केंद्र सरकार ने स्विच नीलामी से पुराने बॉन्ड बदले, ऋण प्रबंधन मजबूत किया

- सरकार ने 8.30 प्रतिशत जीएस 2040 के 69,436.15 करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी किए

मुंबई। केंद्र सरकार ने हाल ही में स्विच नीलामी के तहत भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से 75,504.43 करोड़ मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियां (जी-एसईसीएस) वापस खरीदी। इसके बदले में सरकार ने 69,436.15 करोड़ रुपए के नए बॉन्ड जारी किए। वित्त मंत्रालय के अनुसार इस परिचालन का उद्देश्य अगले वित्त वर्ष में बड़ी परिपक्वताओं से पैदा होने वाले दबाव को कम करना और ऋण अदायगी की बेहतर योजना बनाना है। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि वापस खरीदी गई सरकारी प्रतिभूतियां अगले वित्त वर्ष में परिपक्व होने वाली थीं। इनमें 7.27 प्रतिशत जीएस 2026 के 3,527.69 करोड़ रुपये, 8.33 प्रतिशत जीएस 2026 के 34,957.71 करोड़ रुपये, 8.15 प्रतिशत जीएस 2026 के 19,958.78 करोड़ रुपये और 8.24 प्रतिशत जीएस 2027 के 17,060.24 करोड़ रुपये शामिल हैं। इन प्रतिभूतियों के बदले में सरकार ने 8.30 प्रतिशत जीएस 2040 के 69,436.15 करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी किए। इस स्विच परिचालन का मकसद अगले वित्त वर्ष में 5.47 लाख करोड़ रुपये की परिपक्वताओं से पैदा होने वाले दबाव को कम करना और ऋण अदायगी देनदारियों का बेहतर प्रबंधन करना है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पेश बजट में सकल बाजार उधारी 17.2 लाख करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसके पीछे अगले वित्त वर्ष में होने वाली परिपक्वताओं की बड़ी भूमिका रहने वाली है। सरकार ने अगले वित्त वर्ष के लिए शुद्ध बाजार उधारी 11.7 लाख करोड़ रुपये आंकी है, जो वित्त वर्ष 2025-26 से लगभग 50,000 करोड़ रुपये अधिक है।

रुपया हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को एक पैसे की बढ़त के साथ ही 90.60 पर बंद हुआ । आज सुबह अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुझान से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मजबूत होने से रुपये समेत उभरते बाजारों की मुद्राओं में तेजी की संभावना सीमित हो गई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.69 पर खुला जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 17 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.61 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की बढ़त के साथ 96.94 पर रहा।

अमेरिका और ताइवान के बीच नया व्यापार समझौता

- ताइवान अपने 99 प्रतिशत शुल्क अवरोधों को कम करने पर सहमत

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ताइवान के साथ एक महत्वपूर्ण व्यापार समझौता किया है। इस समझौते के तहत ताइवान ने अपने 99 प्रतिशत शुल्क अवरोधों को हटाने या कम करने पर सहमति दी है। इसका लक्ष्य दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत और सरल बनाना है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिका कंप्यूटर चिप्स के उत्पादन में ताइवान पर काफी हद तक निर्भर है। 2025 के पहले 11 महीनों में चिप्स के निर्यात के कारण अमेरिका और ताइवान के बीच लगभग 127 अरब डॉलर का व्यापार घाटा दर्ज किया गया। व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने बताया कि ताइवान से अमेरिका आने वाले निर्यात पर अब 15 प्रतिशत शुल्क या अमेरिकी सरकार की सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र दर लागू होगी। यह दर जापान और दक्षिण कोरिया जैसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अन्य अमेरिकी व्यापार साझेदारों के समान है। समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान अमेरिका की ओर से व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर उपस्थित थे। ताइवान की ओर से उप प्रधानमंत्री ली-चिउन चेंग और विदेश व्यापार ब्यूरो की महानिदेशक जेन-नी यांग शामिल हुए। यह समारोह ताइवान में अमेरिकी संस्थान और अमेरिका में ताइपे आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रतिनिधि कार्यालय के तत्वावधान में आयोजित हुआ। यह समझौता राष्ट्रपति ट्रंप की अप्रैल में प्रस्तावित चीन यात्रा से पहले हुआ। इससे संकेत मिलता है कि अमेरिका और ताइवान के आर्थिक संबंध और मजबूत और गहरे होने की संभावना है।

शेयर बाजार में कोहराम

सेंसेक्स 1,048 , निफ्टी 336 अंक लुढ़का

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,048.16 अंक टूटकर 82,626.76 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 336.10 अंक फिसलकर 25,471.10 पर बंद हुआ। बाजार में आज सबसे अधिक गिरावट धातु शेयरों में रही। आज निफ्टी मेटल और निफ्टी कमोडिटीज में सबसे अधिक गिरावट रही। निफ्टी रियल्टी , निफ्टी एनर्जी , निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी ऑयलएंडगैस , निफ्टी पीएसई) और निफ्टी कंजप्शन भी नीचे आये। वहीं सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, टाइटन, टीसीएस, पावर ग्रिड, बीईएल, एशियन पेंट्स, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, एनटीपीसी, इन्फोसिस, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई के शेयर गिरे जबकि बजाज फाइनेंस और एसबीआई के शेयरों में तेजी रही। लार्जकैप के साथ-साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 1,032.85 अंक टूटकर 59,438 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 311.20 अंक फिसलकर 1.79 17,032.90 पर बंद हुआ।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 690 अंकों की गिरावट के साथ ही 82,985 के स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी भी 25,589 पर खुला और इसमें लगभग 0.85 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई। वहीं एशियाई बाजारों में भी शुक्रवार को गिरावट रही। अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी अनिश्चितताओं और टेक शेयरों में बिकवाली से भी वैश्विक बाजारों पर पड़ा है। जापान का निक्केई 225 करीब 1.69 फीसदी गिरा, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.5 फीसदी नीचे रहा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एएसएक्स 200 लगभग 1.3 फीसदी कमजोर हुआ। अमेरिकी बाजारों में गुरुवार को जोरदार गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों ने टेक्नोलॉजी शेयरों से दूरी बनाई, साथ ही आर्थिक आंकड़ों और कंपनियों के नतीजों का आकलन किया। एसएंडपी 500 में 1.57 फीसदी की गिरावट रही। नैस्डैक कंपोजिट 2.03 फीसदी टूटा, जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.34फीसदी नीचे बंद हुआ।

आरबीआई का बड़ा कदम: बैंकिंग में पारदर्शिता और ग्राहक सुरक्षा सुनिश्चित

- आरबीआई के नए नियम 1 जुलाई 2026 से होंगे लागू

नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने कॉमर्शियल बैंक्स-रिस्पॉन्सिबल बिजनेस कंडक्ट अमेंडमेंट डायरेक्शन 2026 का मसौदा जारी किया। इसका उद्देश्य ग्राहकों को गलत बिक्री और धोखाधड़ी से बचाना और बैंकिंग प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाना है। नए नियम के तहत अगर कोई बैंक ग्राहक को अनावश्यक उत्पाद बेचता है, तो उसे न केवल पूरी राशि लौटानी होगी बल्कि ग्राहक को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई भी करनी होगी। यह कदम 1 जुलाई 2026 से लागू होगा और बैंकिंग में पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है। मार्केटिंग और ग्राहक संपर्क की प्रक्रिया भी अब पूरी तरह बदल जाएगी। बैंक या उनके प्रतिनिधि बिना स्पष्ट सहमति के कॉल या मैसेज नहीं कर सकेंगे, और संपर्क केवल कार्यालय घंटों तक ही सीमित रहेगा। इसका मकसद ग्राहकों की निजता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। आरबीआई ने बैंक कर्मचारियों और डायरेक्ट सेलिंग एजेंट्स के लिए भी स्पष्ट निर्देश दिए हैं। बैंक की आंतरिक नीतियां ऐसी नहीं होंगी जो गलत बिक्री को प्रोत्साहित करें। थर्ड-पार्टी उत्पादों जैसे बीमा और निवेश योजनाओं पर सीधे या अप्रत्यक्ष कमीशन की अनुमति नहीं होगी। टाई-इन सेल यानी एक उत्पाद के साथ दूसरे उत्पाद को जबरन बेचने की प्रथा पूरी तरह बंद होगी। डिजिटल बैंकिंग में सुरक्षा बढ़ाने के लिए डार्क पैटर्न डिजाइनों को भी प्रतिबंधित किया जाएगा। ये डिज़ाइन तकनीकें ग्राहकों को भ्रमित कर अनजाने में सहमति लेने का काम करती हैं। मसौदे में लगभग एक दर्जन भ्रामक डिजाइनों की पहचान की गई है जिन्हें अब उपयोग नहीं किया जा सकेगा। यह मसौदा वर्तमान में सार्वजनिक चर्चा के लिए उपलब्ध है। आम जनता और सभी संबंधित पक्ष 4 मार्च 2026 तक अपने सुझाव और आपत्तियां दे सकते हैं। इसके आधार पर नियमों को अंतिम रूप देकर अगले साल जुलाई से लागू किया जाएगा। नया नियम ग्राहकों की सुरक्षा और बैंकिंग में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में अहम कदम है।

भारत अगले 5 वर्षों में 50 नए हवाई अड्डे बनाने की राह पर: नायडू

- हर 33 दिन में एक नया हवाई अड्डा या टर्मिनल हो रहा है तैयार

नई दिल्ली। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शुक्रवार को कहा कि भारत अगले पांच वर्षों में 50 नए हवाई अड्डे बनाने का लक्ष्य रखता है। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए आधार का काम करते हैं और इससे क्षेत्र में बड़े निवेश अवसर उत्पन्न होंगे। मंत्री ने यह भी कहा कि विमानन सुरक्षा को प्रभावित किए बिना हवाई अड्डों के आसपास की इमारतों की ऊंचाई से जुड़ी समस्याओं का समाधान निकाला जा रहा है। वर्तमान में देश में 165 हवाई अड्डे चालू हैं और औसतन हर 33 दिन में एक नया हवाई अड्डा या टर्मिनल तैयार हो रहा है। नायडू ने कहा कि 2030 तक रियल एस्टेट क्षेत्र का आकार लगभग 1000 अरब डॉलर तक पहुँच सकता है, जबकि 2047 तक यह 5000-7000 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। उन्होंने युवाओं के लिए किराये पर आवासीय परियोजनाओं के विकास और जीवन गुणवत्ता पर ध्यान देने पर जोर दिया। यह जानकारी हाल ही में उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रीय शहरी एवं रियल एस्टेट विकास सम्मेलन 2026 में दी, जिसका आयोजन नारेडको ने किया।

पीएम सूर्य घर योजना ने दो साल में हासिल किए नए मुकाम

- पीएम मोदी ने कहा, हमारे जीवन में ऊर्जा और उत्साह का संचार करते हैं भगवान सूर्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना के दो साल पूरे होने पर इसे सराहा। उन्होंने कहा कि भगवान सूर्य हमारे जीवन में ऊर्जा और उत्साह का संचार करते हैं और यह योजना भी उन्हीं से रोशन है। पीएम मोदी ने एक्स पर साझा किया कि यह देशवासियों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। इसके साथ उन्होंने संस्कृत श्लोक भी साझा किया, जिसका अर्थ है कि निरंतर क्रियाशील व्यक्ति ही सफलता प्राप्त करता है। प्रधानमंत्री सूर्य घर- निशुल्क बिजली योजना की शुरुआत 14 फरवरी 2024 को की गई थी। इसका लक्ष्य वित्त वर्ष 2026-27 तक एक करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाना है, जिसके लिए 75,021 करोड़ का परिव्यय निर्धारित किया गया है। यह पहल दुनिया की सबसे बड़ी घरेलू रूफटॉप सोलर योजना मानी जा रही है। जनवरी 2026 तक योजना के तहत 29 लाख से अधिक परिवारों को लाभ पहुंच चुका है। पोर्टल के अनुसार अब तक 60,87,665 आवेदन

प्राप्त हुए और 23,60,365 आरटीएस सिस्टम लगाए गए हैं। इसके जरिए 29,37,640 परिवारों को बिजली मिल रही है। सरकार ने अब तक 16,920.15 करोड़ की सब्सिडी जारी की है। यह योजना ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सौर ऊर्जा का प्रसार कर रही है। इससे घरों में स्वच्छ, निःशुल्क बिजली उपलब्ध हो रही है और भारत के ऊर्जा परिदृश्य को नया आकार दिया जा रहा है। पीएम सूर्य घर योजना न केवल ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने के मामले में लीबिया पहले स्थान पर

1 कप चाय की कीमत में मिल रहा 5 लीटर पेट्रोल

मुंबई ।

दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने वाले देशों की लिस्ट में बड़े चौंकाने वाले तथ्य हैं। इन देशों में पेट्रोल की कीमत भारतीय नजरिए से न सिर्फ बहुत कम है, बल्कि कई में तो पेट्रोल की कीमत भारत में बिकने वाले एक कप चाय से भी सस्ती है। लीबिया दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने वाला देश है। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत मात्र 2.15 रुपये है। यानी कए कप चाय की कीमत में करीब 5 लीटर पेट्रोल यहां मिल रहा है। भारत के अधिकतर शहरों में एक कप चाय की कीमत 10 से 15 रुपये के बीच है। इस लिस्ट में ईरान दूसरे स्थान पर है। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत केवल 2.59 रुपये है। जबकि, सबसे महंगा तेल हांगकांग में 340.53 रुपये लीटर है। यह जानकारी ग्लोबलपेट्रोलप्राइसेज डॉट कॉम के हाल ही में जारी` किए गए आंकड़ों पर आधारित है। लीबिया में पेट्राल 2.15 रुपए, ईरान 2.59 रुपए, वेनेजुएला 3.17 रुपए, अंगोला 29.63 रुपए, कुवैत 30.98 रुपए, अल्जीरिया 32.89 रुपए, तुर्कमेनिस्तान 38.78 रुपए, मिस्र 40.65 रुपए, कजाकिस्तान 45.06 रुपए और कतर में 46.02 रुपए प्रति लीटर है। अगर भारत की बात करें तो शुक्रवार को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम जारी कर दी हैं। पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलवा नहीं हुआ है। देश में सबसे सस्ता पेट्रोल आज भी पोर्ट ब्लेयर में 82.46 रुपए प्रति लीटर और डीजल 78.05 रुपए प्रति लीटर है। भारत में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने वाले शहर इस प्रकार हैं- पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूहः 82.46 प्रति लीटर, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेशः 90.87 प्रति लीटर, सिलवासा, दादरा और नगर हवेलीः 92.37 प्रति लीटर, दमन, दमन और दीवः 92.55 प्रति लीटर, हरिद्वार, उत्तराखंडः 92.78 प्रति लीटर, रुद्रपुर, उत्तराखंडः 92.94 प्रति लीटर, उना, हिमाचल प्रदेशः 93.27 प्रति लीटर, देहरादून, उत्तराखंड- 93.35 प्रति लीटर, नैनीताल, उत्तराखंडः 93.41 प्रति लीटर। सबसे सस्ता डीजल बेचने वाले शहर हैं- पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूहः 78.05 प्रति लीटर, इटानगर, अरुणाचल प्रदेशः 80.38 प्रति लीटर, जम्मू, जम्मू और कश्मीरः 81.32 प्रति लीटर, संबा, जम्मू और कश्मीरः 81.58 प्रति लीटर, कठुआ, जम्मू और कश्मीरः 81.97 प्रति लीटर, उधमपुर, जम्मू और कश्मीरः 82.15 प्रति लीटर, चंडीगढ़ः 82.44 प्रति लीटर, और राजौरी, जम्मू और कश्मीरः 82.64 रुपए प्रति लीटर।

कर्ज वसूली एजेंटों पर आरबीआई सख्त, जबरन और धमकी पर रोक का प्रस्ताव

देनदारियों की अदायगी में अनुचित दबाव डालने पर भी रोक होगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और उनके रिकवरी एजेंटों द्वारा उधारकर्ताओं के साथ जबरल या अपमानजनक व्यवहार रोकने के लिए नए मसौदा दिशानिर्देश पेश किए हैं। ये नियम उधारकर्ताओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करेंगे। प्रस्तावित नियम 1 जुलाई, 2026 से लागू होंगे और इस पर फीडबैक 4 मार्च, 2026 तक दिया जा सकता है।

मसौदा दिशानिर्देश में स्पष्ट किया गया है कि उधारकर्ताओं के साथ धमकी, अपमान, बार-बार या गुमनाम कॉल, अनुचित संदेश या सार्वजनिक अपमान करना निषिद्ध होगा। इसके अलावा उधारकर्ता की देनदारियों की अदायगी में अनुचित दबाव डालना भी रोक होगा। बैंकों को वसूली से संबंधित शिकायतों के निपटान के लिए समर्पित तंत्र बनाना होगा। सभी कॉल की **संख्या, समय और रिकॉर्डिंग का हिसाब रखा जाएगा। कॉल और दौरे केवल सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे के बीच किए जा सकते हैं। उधारकर्ता किसी विशेष समय पर संपर्क न करने का अनुरोध कर सकता है। पारिवारिक आपात स्थिति, विवाह, त्योहार या शोक जैसी परिस्थितियों में वसूली प्रयास नहीं किए जाएंगे। माइक्रोफाइनेंस ऋण के मामले में वसूली केवल सहमति से तय स्थान पर होगी। एजेंट केवल उधारकर्ता या गारंटर से संपर्क करेंगे, और बातचीत में सभ्यता, शालीनता और मर्यादा बनाए रखेंगे। सभी एजेंटों को आईआईबीएफ से प्रमाणित प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा। बैंकों को एजेंटों के लिए आचार संहिता बनानी होगी और सभी शाखाओं, कार्यालयों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अद्यतन एजेंट सूची प्रदर्शित करनी होगी।

एप्पल भारत में छठा स्टोर बोरीवली में खोलेगी, उद्घाटन 26 फरवरी को

नई दिल्ली ।

आईफोन निर्माता एप्पल भारत में अपने छठे स्टोर के साथ मुंबई में दूसरा स्टोर खोलने जा रही है। कंपनी ने अप्रैल 2023 में मुंबई और दिल्ली में अपने पहले दो स्टोर शुरू किए थे। इसके बाद 2025 में बेंगलुरु (एप्पल हेब्बल) और पुणे (कोरेगांव पार्क) में स्टोर खुले। हाल ही में नोएडा में भी नया स्टोर शुरू हुआ। बोरीवली स्टोर को उद्घाटन से पहले बैरिकेडिंग से ढका गया है। बैरिकेडिंग पर मोर से प्रेरित विशिष्ट डिजाइन नजर आ रहा है, जिसे सबसे पहले बेंगलुरु स्टोर में पेश किया गया था और बाद में पुणे तथा नोएडा स्टोर्स में भी अपनाया गया। कंपनी के बयान के अनुसार यह डिजाइन आत्मविश्वास, बारीकी और आगमन की भावना को दर्शाता है। बैरिकेडिंग का उद्देश्य स्टोर के अंदर चल रहे काम को छिपाना और ब्रांड के उद्घाटन को आकर्षक बनाना है। बयान में कहा गया है कि बोरीवली स्टोर का उद्घाटन 26 फरवरी को किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 विश्वकप : जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से हराकर किया उलटफेर

कोलंबो (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने टी20 विश्व कप 2026 मुकाबले में दो बार की विजेता रही ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराकर इस विश्वकप का पहला उलटफेर किया है। इस मैच में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 170 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 146 रनों पर ही सिमट गयी। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जिम्बाब्वे के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाये। ब्लेसिंग मुज़रबानी ने 4 विकेट जबकि ब्रैड इवांस ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। टीम ने 29 रन पर चार विकेट खो दिये। इसके बाद मैट रेनशॉ 65 और ग्लेन मैक्सवेल 31 ने पांचवें विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी कर टीम को वापसी कराने का प्रयास किया पर जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने उन्हें खुलकर खेलने नहीं दिया।

वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉज जीतकर जिम्बाब्वे को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। उसका ये फैसला ठीक नहीं रहा। जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट की नाबाद 64 रन की पारी की बदौलत जिम्बाब्वे ने दो विकेट पर 169 रन बनाये। बेनेट ने 56 गेंदों पर सात चौके लगाकर अपनी टीम के रन रेट को बनाये रखा। जिम्बाब्वे ने 15 ओवर में ही एक के नुकसान पर 125 रन बना लिए थे पर इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए बचे हुए पांच ओवरों में केवल 44 रन ही दिए। जिम्बाब्वे की ओर से विकेटकीपर तादिवानाशे मारुमानी ने 35 और रयान बर्ल ने 35 रन जबकि ऑस्ट्रेलियास की ओर से मार्कस स्टोइनिस और कैमरन ग्रीन ने एक-एक विकेट लिया। ऑस्ट्रेलिया इस विश्व कप में अपने कई बड़े खिलाड़ियों के बिना खेल रही है, जिसका उन्हें आज नुकसान भी उठाना पड़ा। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान मिचेल मार्श इस मैच में चोट की वजह से नहीं खेल पाये। ऐसे में ट्रेविस हेड टीम की कप्तानी करते हुए दबाव में आ गये और बड़ी पारी नहीं खेल पाये।

अर्यांश और सोहैब की शानदार बल्लेबाजी से यूएई ने कनाडा को हराया

नई दिल्ली । अर्यांश शर्मा और सोहैब खान के शानदार प्रदर्शन से यूएई ने टी20 विश्वकप मुकाबले में कनाडा को पांच विकेट से हरा दिया। ग्रुप-डी के इस मुकाबले में में कनाडा ने यूएई को जीत के लिए 151 रनों का लक्ष्य दिया था। इसे यूएई ने 19.4 ओवरों में ही हासिल कर लिया। यूएई की ये इस टूर्नामेंट में पहली जीत है। यूएई की जीत में सलामी बल्लेबाज अर्यांश की अहम भूमिका रही। अर्यांश ने 6 चौके और तीन छक्के लगारक 53 गेंद पर नाबाद 74 रन बनाए। वहीं सोहैब ने केवल 29 गेंदों पर 51 रन बनाये। इसमें चार छक्के और चार चौके शामिल रहे। अर्यांश और सोहैब के बीच पांचवें विकेट के लिए 84 रनों की साझेदारी हुई, जिसने टीम लक्ष्य तक पहुंच पायी। वहीं कनाडा की ओर से साद बिन जफर ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। वहीं .इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कनाडा ने 7 विकेट पर 150 रन बनाए। कनाडा की ओर से हर्ष ठाकेर ने 3 छक्के और दो चौके की मदद से 41 गेंदों पर सबसे अधिक 50 रन बनाये। वहीं . इसके अलावा नवनीत धालीवाल ने चार चौके लगाकर 28 गेंद पर 34 रनों की पारी खेली। विकेटकीपर बल्लेबाज श्रेयस मोव्वा ने 21 रन बनाये। यूएई की ओर से तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दीकी ने 5 विकेट लिए।

इंडिया अंडर-17 पुरुष टीम को दूसरे फ्रेंडली मैच में होस्ट तुर्किये से मिली हार

मानवगत (तुर्की) (एजेंसी)। इंडिया अंडर-17 पुरुष टीम यहां अंताल्या के मानवगत अतातुक स्टेडियम में होस्ट तुर्किये के खिलाफ अपने दूसरे फ्रेंडली मैच में 1-6 से हार गई। इंडिया मंगलवार को पहले फ्रेंडली मैच में 0-1 से हार गई थी। ब्लू कोल्ट्स इन मैचों का इस्तेमाल एएफसी अंडर17 एशियन कप सऊदी अरब 2026 की तैयारी के लिए कर रहे हैं, जो मई में होगा।

इंडिया ग्रुप डी में उज्बेकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और डीपीआर कोरिया से भिड़ेगा। गुरुवार को तेज हवा और बारिश वाले हालात में खेले गए मैच में, तुर्किये ने एफे सेसिल की मदद से शुरुआती बढ़त बनाई, जिन्होंने सातवें मिनट में बॉक्स के अंदर एक पतले एंगल से लूज बॉल को गोल में पहुंचाया।

इंडिया के थोड़े विरोध के बाद होस्ट्स ने बिबियानो फर्नांडीस की टीम को फिर से हरा दिया और हाफ-टाइम तक 5-0 की बढ़त बना ली। एफे फेटाहोग्लू ने 14वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से गोल किया, जिसके बाद अलाएटिन एकिसी ने जल्दी से दो गोल किए - 20वें मिनट में 10 याड से पहली बार में लिए गए शॉट को गोल में बदला और 28वें मिनट में दाईं ओर से आए क्रॉस को हेड करके स्कोर 4-0 कर दिया। कप्तान ऐरेन सयार ने 30वें मिनट में पांचवां गोल किया। भारत ने दूसरे हाफ में कुछ सुधार दिखाया और रीस्टार्ट के बाद जल्दी ही एक गोल वापस कर लिया। 47वें मिनट में, डायमंड सिंह थोकचोम ने बॉक्स के ठीक बाहर डेनी सिंह वांगखेम को चुना। बाद वाले ने 20 यार्ड की दूरी से दूर कोने में एक शानदार शॉट मारकर भारत को स्कोरशीट में ला दिया। तुर्किये ने 85वें मिनट में स्कोरिंग पूरी की, हसन टंसेल बॉक्स में घुसे और बाएं पैर से शॉट मारकर निचले कोने में गोल कर दिया।

2027 एकदिवसीय विश्वकप जीतना चाहते हैं रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप में टीम को जीत दिलाना है। रोहित की कप्तानी में ही भारतीय टीम पिछली बार फाइनल में पहुंचने के बाद भी हार के कारण खिताब हासिल नहीं हासिल कर पायी थी। इसके बाद उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता पर विश्व कप 2023 का खिताब न जीत पाने की निराशा उनके दिल से निकल नहीं पा रही है। इसी कारण रोहित अब एकदिवसीय प्रारुप में ही खेल रहे है और किसी भी हालत में इस खिताब को जीतकर ही संन्यास लेना चाहते हैं। रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा कहा, वह केवल विश्व कप 2027 खेलना नहीं चाहते हैं बल्कि जीतना भी चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं 50-ओवर का विश्व कप देखते-देखते हुए बड़ा हुआ हूं। उस समय कोई टी20 विश्व कप नहीं था, कोई आईपीएल नहीं था और एकदिवसीय विश्वकप ही क्रिकेट का सबसे ऊंचा खिताबी मुकाबला था, जो हर चार साल में होता था। इसलिए इससे हासिल करने का सपना सभी का होता था। उस एक ट्रॉफी का इतना ज्यादा बोझ था। मैं सच में वह ट्रॉफी हासिल करना चाहता हूं, इसलिए मैं कड़ी मेहनत करने और उसे पाने के लिए अपनी पूरी ताकत और क्षमता का उपयोग करना चाहता हूं। मैं अपने देश के लिए ये विश्व कप जीतना चाहता हूं। रोहित ने टी20 और टेस्ट से पहले ही संन्यास ले लिया है जिससे की उनकी फिटनेस 2027 विश्व कप तब बनी रहे। पिछले 6 महीने में रोहित ने अपनी फिटनेस पर काम किया और अपना वजन भी घटाया है। उनकी बल्लेबाजी में भी बदलाव आया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भले ही वह सफल नहीं रहे पर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। जिस प्रकार से वह फिटनेस और फॉर्म को बरकरार रखने का प्रयास कर रहे हैं। उससे अंदाजा होता है कि वह विश्वकप को लेकर कितने गंभीर और समर्पित हैं। 2027 विश्वकप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में संयुक्त रुप से खेला जाएगा।

टी20 वर्ल्ड कप: भारत-पाक मैच के कारण कोलंबों का हवाई किराया बढ़ा ,होटलों में कमरों की मांग बढ़ी

मुम्बई (एजेंसी)। 15 फरवरी को श्रीलंका में होने वाले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबले को लेकर कोलंबो की उड़ानों और होटलों का किराया काफी बढ़ गया है। इसी कारण 13 और 14 फरवरी की टिकटों के दाम 50 फीसदी तक बढ़ गये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली सहित प्रमुख शहरों से कोलंबो जाने वाली सीधी उड़ाने का किराया एक लाख रुपये से ऊपर से अधिक बढ़ गया है। आम दिनों के हिसाब से कीमतें करीब दोगुनी हो गयी हैं। यह बढ़ोतरी काफी ज्यादा है।

इसस कारण इस रुट पर टिकटों की मांग बढ़ना है। इससे किराया बढ़ना स्वाभाविक है। उड़ानों का किराया बढ़ने अलावा होटल कारोबार में भी तेजी आई है।मैच से पहले की तारीखों में कई होटलों के कमरों की की कीमतें काफी बढ़ गयी हैं क्योंकि ये तेजी से बुक हुए हैं। भारत-पाक मुकाबलों को लेकर प्रशंसकों में हमेशा से ही उत्साह रहा है। ऐसे मुकाबलों से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलता।द्य

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंबई से कोलंबो के लिए रिटर्न किराया ही अब करीब 70 हजार रुपये तक पहुंच गया है। दिल्ली से जाने पर किराया 90 हजार से 1 लाख रुपये के बीच है। वहीं हैदराबाद से लगभग 80 हजार रुपये का खर्च आ रहा है, जबकि बेंगलुरु, कोलकाता, अहमदाबाद और पुणे से किराया 60 से 65 हजार रुपये तक है। चेन्नई और कोचिन से किराया 50 हजार रुपये है। 13 और 14 तारीख की उड़ानों में करीब 1,000 से 2,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जो औसतन 10 से 20 फीसदी तक है। हालांकि मैच वाले दिन 15 तारीख को किराए में अतिरिक्त वृद्धि नहीं देखी गई।

इस मैच के कारण केवल उड़ानें ही नहीं, कोलंबो के होटलों में कमरों की मांग भी बढ़ी हैं। शहर के प्रमुख और प्रीमियम इलाकों में स्थित होटलों के कमरों की कीमतें बढ़ी हैं।इससे श्रीलंका के छोटे शहरों से भी लोग कोलंबो पहुंच रहे हैं जिससे भी होटल के साथ ही अन्य कारोबारियों को भी लाभ हुआ है क्योंकि मांग में तेजी आई है। कई कंपनियां भी कपने कुछ कर्मचारियों को मैच के लिए विशेष पैकेज के तहत कोलंबो ले जा रही हैं। इससे साफ है कि बड़े खेल आयोजनों में कॉरपोरेट सेक्टर की रुचि भी बढ़ रही है।

PGTI लीग की नीलामी में शामिल होंगे 170 गोल्फर

नई दिल्ली। भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (PGTI) की प्रमुख लीग '72 द लीग' की सोमवार को यहां होने वाली पहली नीलामी में 11 देशों के 170 पेशेवर गोल्फर हिस्सा लेंगे। इस लीग में गोल्फरों के लिए कुल 60 स्थान उपलब्ध होंगे, क्योंकि छह फ्रेंचाइजी में से प्रत्येक अपनी-अपनी टीमों के लिए 10 खिलाड़ियों का चयन करेगी। नीलामी की कुल राशि छह करोड़ रुपए है। PGTIने यह लीग गेम ऑफ लाइफ स्पोर्ट्स (GOLS) के सहयोग से शुरू की है। लीग 21 फरवरी को शुरू होगी और इसका फाइनल छह मार्च को खेला जाएगा। नीलामी के लिए जिन 170 गोल्फर ने अपना नाम दर्ज कराया है, उन्हें तीन श्रेणियों प्लैटिनम, गोल्ड और सिल्वर में रखा गया है।

इसी माह डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में खेलेंगे वैभव

नई दिल्ली। हाल में अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित करने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब इसी माह 23 फरवरी मुंबई में होने वाले डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। नवी मुंबई में होने वाले इस क्रिकेट टूर्नामेंट में करीब16 टीमें हिस्सा लेती हैं, और इसी में से किसी एक टीम से वैभव उतर सकते हैं। इससे उन्हें इसके बाद खेले जाने वाले आईपीएल के लिए भी अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इस टूर्नामेंट में कई बड़े खिलाड़ी भी शामिल होते हैं। वैभव अभी नागपुर के पास तालेगांव में हैं, जहां राजस्थान रॉयल्स ने अभ्यास सत्र के लिए तैयारी की है। यहीं पर वैभव आईपीएल सत्र की तैयारी में लगे हैं। ये शिविर 21 फरवरी तक चलेगा जिसके बाद वैभव पटना वापस जाएंगे। वह अपने शहर में एक प्रमोशनल इवेंट में भी शामिल होंगे। यहां उन्हें एक गाड़ी उपहार में दिये जाने की उम्मीद है। इसके बाद डीवाई पाटिल टूर्नामेंट के लिए मुंबई पहुंचेंगे। गौरतलब है कि डीवाई पाटिल टूर्नामेंट, देश के सबसे पुराने टी20 टूर्नामेंटों में से एक है, जो 2003 में शुरू हुआ था। पिछले साल इस टूर्नामेंट में क्रुणाल पंड्या और हार्दिक पंड्या खेलते नजर आए थे। शिवम दुबे, नेहल वढेरा, दीपक चाहर और कई अन्य खिलाड़ी भी इसमें शामिल हुए थे।

विक्टोरिया म्बोको ने ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन रयबाकिना को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

दोहा (एजेंसी)। पिछले कुछ महीनों में विक्टोरिया म्बोको ने टॉप 15 में पहुंचने के दौरान कई मौकों पर चैंपियन वाली सोच दिखाई है। कनाडा की इस टीनेजर ने शुक्रवार को कतर टोटल एनर्जीज ओपन में इसे फिर से दिखाया, फाइनल सेट में ब्रेक डाउन से उबरकर दूसरी सीड और मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन एलेना रयबाकिना को क्वार्टरफाइनल में बाहर कर दिया।

म्बोको अभी नंबर 13 पर हैं, पिछले अगस्त में मॉन्ट्रियल में नेशनल बैंक ओपन में अपने सफल टाइटल रन के रास्ते में रयबाकिना को पहले ही हरा चुकी थीं। लेकिन यह वर्ल्ड नंबर 3 थीं जिन्होंने पिछले साल वाशिंगटन और टोक्यो में म्बोको को हराने के बाद अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 2-1 की बढ़त के साथ मैच में एंट्री की थी। उनकी नई दुश्मनी का चौथा चैप्टर तब शुरू हुआ जब म्बोको ने 2-0 की बढ़त बना ली, लेकिन रयबाकिना ने अगले छह में से पांच गेम जीतकर 5-3 की बढ़त बना ली। लेकिन कनाडाई खिलाड़ी ने फिर से मोमेंटम बदला, लगातार चार गेम जीतकर पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया।

रयबाकिना ने दूसरे सेट में जवाब दिया, जल्दी ब्रेक करके 3-1 की बढ़त बना ली। म्बोको ने ब्रेक करके 3-3 से बराबरी कर ली, लेकिन कज़ाख खिलाड़ी ने सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। रयबाकिना ने निर्णायक गेम के पांचवें गेम में एक बार फिर सर्विस तोड़ी और 4-2 से आगे हो गईं, लेकिन म्बोको ने फिर से अपना लेवल बढ़ाया। मुश्किल में होने के बावजूद, वह आक्रामक रहीं और 4-4 से वापसी की। 5-4 पर सर्विस करते हुए, म्बोको ने 10वें गेम में रयबाकिना की सर्विस पर 0-40 पर तीन मैच पॉइंट हासिल किए, लेकिन कज़ाख खिलाड़ी ने तीनों बचा लिए।

म्बोको ने कुछ देर बाद चौथा मैच पॉइंट हासिल किया, और इस बार इसका फायदा उठाया। वह दूसरी सर्व में आईं और बैकहैंड रिटर्न मारा, जिससे रयबाकिना की गलती नेट में चली गई और 2 घंटे 23 मिनट में 7-5, 4-6, 6-4 से जीत पक्की हो गई। पूर्व फ्रेंच ओपन चैंपियन एलेना ओस्तापेंको इटली की लकी लूजर एलिसाबेटा कोकियारेटो पर 7-5, 6-4 से कड़ी टक्कर के साथ चौथी बार दोहा में सेमीफाइनल में पहुंचीं।

लातवियाई खिलाड़ी ने दोहा में अपने

करियर की 24वीं जीत दर्ज की, जो टूर्नामेंट के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी की सबसे ज्यादा जीत है। यह म्बोको और ओस्तापेंको के बीच पहली मुलाकात होगी। अगर म्बोको जीत जाती हैं, तो वह डब्ल्यूटीए रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचने वाली चौथी कनाडाई बन जाएंगी।

कुक जलडमरूमध्य को पार करने वाले पहले एशियाई पैरा तैराक बने भारत के सतेंद्र सिंह

नई दिल्ली। भारत के सतेंद्र सिंह लोहिया न्यूजीलैंड में कुक जलडमरूमध्य को पार करने वाले एशिया के पहले पैरा तैराक बन गए हैं। मध्य प्रदेश के भिंड जिले के रहने वाले 38 वर्षीय लोहिया को 2024 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। लोहिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'ऐतिहासिक उपलब्धि। न्यूजीलैंड में कुक जलडमरूमध्य पर जीत। दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक न्यूजीलैंड के कुक जलडमरूमध्य को अपनी टीम के साथ सफलतापूर्वक पार करने के बाद आज मैं बेहद भावुक और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। पहली बार एशिया के किसी पैरा तैराक ने कुक जलडमरूमध्य को पार किया है।' अधिकारियों के अनुसार यह पैरा तैराक जनवरी के तीसरे सप्ताह में न्यूजीलैंड पहुंचा और वहां उन्होंने बेहद ठंडे पानी में कड़ा अभ्यास किया। उन्होंने नौ घंटे और 22 मिनट में 23.6 किलोमीटर तैरकर यह उपलब्धि हासिल की। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, 'पद्मश्री और तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार से सम्मानित मध्य प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय पैरा तैराक सतेंद्र एस लोहिया ने दुनिया के सबसे कठिन समुद्री मार्गों में से एक न्यूजीलैंड के कुक जलडमरूमध्य को सफलतापूर्वक पार करके इतिहास रच दिया है।' उन्होंने कहा, 'वह कुक जलडमरूमध्य को पार करने वाले एशिया के पहले पैरा तैराक बन गए हैं। मैं इस असाधारण उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई देता हूं। देश और मध्य प्रदेश के लिए यह गौरवशाली क्षण उनकी अदम्य भावना और अटूट दृढ़ संकल्प को दर्शाता है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।' डायरिया का उचित इलाज नहीं हो पाने के कारण लोहिया बचपन में ही दिव्यांग हो गए थे। उन्होंने 2017 में समुद्री तैराकी का अपना सफर शुरू किया था। वह इंग्लिश चैनल को भी पार कर चुके हैं।

अश्विन बोले, पाक स्पिनर तारिक का इस प्रकार सामना करे भारतीय टीम

चेन्नई। पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कोलंबो में रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले भारतीय टीम को अहम सलाह दी है। अश्विन के अनुसार पाक ऑफ स्पिनर उस्मान तारिक की रुक कर आने वाली साइड आर्म एक्शन से की गई गेंदों को फेंकते समय जब वह रुके तो बस क्रीज से दूर हट जाएं। तारिक की रुक-रुक कर गेंदबाजी करने की शैली पर काफी सवाल उठे हैं हालांकि अभी तक आईसीसी ने उनपर रोक नहीं लगायी है। तारिक ने अपनी इस अजीब गेंदबाजी से ने अब तक केवल चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में ही प्रति ओवर छह रन से भी कम देकर 11 विकेट लिए हैं। ऐसे में वह भारतीय टीम के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। अश्विन ने कहा, अगर गेंदबाज गेंद फेंकने से पहले थोड़ा रुक जाता है, तो बल्लेबाज को दूर हटने का अधिकार है। वह कह सकता है कि मुझे लगा कि वह रुक रहा है। इससे अंपायर के लिए बड़ी संशय की हालत होगी। उन्होंने कहा, अगर मैं वहां होता तो मैं भी यही करता।

टी20 वर्ल्ड कप : मोहम्मद आमिर का अभिषेक शर्मा पर तीखा हमला, आउट करने की योजना भी बता गए

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले माहौल गरमा गया है। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज़ मोहम्मद आमिर ने भारतीय सलामी बल्लेबाज़ अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी शैली पर सवाल उठाए हैं। आमिर का कहना है कि अभिषेक आक्रामक तो हैं, लेकिन तकनीकी रूप से मजबूत नहीं। खास बात यह है कि ये बयान 15 फरवरी को होने वाले भारत-पाकिस्तान ग्रुप मैच से ठीक पहले आए हैं, जिससे मुकाबले का रोमांच और बढ़ गया है।

आमिर का दावा: 'सिर्फ ताकत, तकनीक नहीं'

एक पाकिस्तानी टीवी कार्यक्रम में बातचीत के दौरान आमिर ने कहा कि अभिषेक की बल्लेबाजी हाई-रिस्क पर आधारित है। उनके मुताबिक, वह लगभग हर गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हैं जिससे उनके आउट होने की संभावना भी बढ़ जाती है। आमिर का मानना है कि अभिषेक की पारियां निरंतर नहीं रही

हैं। उन्होंने संकेत दिया कि कई मैचों में छोटी पारियों के बाद एक बड़ी पारी आती है, लेकिन यह स्थिरता नहीं दर्शाती। आमिर ने साफ शब्दों में कहा कि उनकी नजर में अभिषेक तकनीकी रूप से परिपक्व बल्लेबाज नहीं हैं।

'ऐसे करें आउट' - आमिर की रणनीति

आमिर ने सिर्फ आलोचना ही नहीं की, बल्कि अभिषेक को आउट करने की योजना भी साझा की। उनका सुझाव था कि डीप कवर पर फील्डर तैनात कर शरीर की लाइन पर गेंदबाजी की जाए। इसके अलावा, उन्होंने धीमी गति की गेंदों (स्लोअर डिलीवरी) को प्रभावी हथियार बताया। कोलंबो में खेले जाने वाले इस हाई-वोल्टेज मैच में आमिर के अनुसार यही रणनीति भारतीय बल्लेबाज़ को फंसाने में कारगर हो सकती है।

आंकड़े क्या कहते हैं?

आलोचना के बावजूद अभिषेक के टी20 अंतरराष्ट्रीय आंकड़े प्रभावशाली हैं। उन्होंने लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से 1,297 रन बनाए हैं, जो उन्हें टूर्नामेंट में शीर्ष रैंक वाले बल्लेबाज़ों में शामिल करता है। उनकी आक्रामक शैली ने कई मौकों पर भारत को तेज शुरुआत दी है। हालांकि, यह भी सच है कि टी20 क्रिकेट में जोखिम भरा खेल दोधारी तलवार की तरह होता है। अगर टाइमिंग सही हो तो मैच पलट सकता है, और चूक होने पर पारी जल्दी समाप्त हो सकती है।

बीमारी से जूझ रहे अभिषेक

भारत-पाकिस्तान मुकाबले से पहले एक और चिंता की बात यह है कि अभिषेक फिलहाल अस्वस्थ बताए जा रहे हैं। यदि वह फिट नहीं हो पाते, तो टीम संयोजन पर असर पड़ सकता है। ऐसे में उनकी उपलब्धता पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

अभिषेक का जवाब: तैयारी पूरी

अभिषेक पहले भी स्वीकार कर चुके हैं कि तेज गेंदबाज उनके खिलाफ गति कम रखते हैं और विविधताओं का इस्तेमाल करते हैं। न्यूज़ीलैंड राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के खिलाफ हालिया सीरीज के दौरान उन्होंने कहा था कि वह संभावित रणनीतियों को ध्यान में रखकर अभ्यास करते हैं। उनका मानना है कि अगर आक्रामक क्रिकेट खेलना है, तो हर तरह की गेंदबाज़ी के लिए तैयार रहना होगा। यही मानसिकता उन्हें बड़े मंच पर आत्मविश्वास देती है।

भारत-पाकिस्तान मैच पर असर

भारत और पाकिस्तान राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बीच होने वाला मुकाबला हमेशा भावनाओं और दबाव से भरा होता है। आमिर की टिप्पणी ने इस टकराव में नया मसाला जोड़ दिया है। अब देखना होगा कि अभिषेक मैदान पर बल्ले से जवाब देते हैं या आमिर की रणनीति कामयाब होती है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के इस महामुकाबले में सिर्फ रन और विकेट ही नहीं, बल्कि मानसिक बढ़त भी अहम भूमिका निभाएगी।

आयरलैंड के कप्तान स्टर्लिंग विश्वकप से बाहर हुए

नई दिल्ली। आयरलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान पॉल स्टर्लिंग घुटने में चोट के कारण विश्वकप से बाहर हो गए हैं। स्टर्लिंग को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में जोश इंग्लिस का कैच पकड़ते समय ये चोट लगी। इसके बाद ही वह मैदान से बाहर चले गये। इस कारण लोरकान टकर ने टीम की कप्तानी की थी। वह बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे लेकिन रन लेने के दौरान उन्हें काफी परेशानी हुई जिस कारण उन्हें रिटायर हर्ट होकर वापस जाना पड़ा। इसके बाद जांच में उनकी चोट गंभीर पायी गयी जिससे वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वहीं उनकी जगह टीम में अब अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज सैम टॉपिंग को टीम में शामिल किया है। टॉपिंग अभी चेन्नई में अभ्यास सत्र से गुजर रहे हैं। टीम के एक अन्य खिलाड़ी बेन कैलिटज़ भी फिट नहीं हैं। ऐसे में स्टर्लिंग के बाहर होने से आयरलैंड की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हल्दी एवं अदरक
प्रसंस्करण विधियां

खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है।

हल्दी की फसल की खुदाई पौधों में लगी हुई पत्तियों के सूखकर गिर जाने पर की जाती है। खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र (डिगिंग फोर्क) की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है। हल्दी के पंजे में दो प्रकार की गांठे मिलती हैं-

- पंजे के मध्य में एक ज्यादा मोटी एवं सख्त गांठ जिसका आकार ढ़ोलक जैसा होता है इसे मातृ प्रकंद कहते हैं और
- पतली उंगलियों जैसी 8 से 15 तक प्रकंद, जिनको पुत्री प्रकंद कहते हैं। खुदाई के तुरंत बाद इन दोनों प्रकार की गांठों को अलग-अलग कर लिया जाता है। मातृ प्रकंद का उपयोग सामान्यतः अगली फसल की बुवाई के लिए किया जाता है। बुवाई से अधिक मात्रा होने पर इसका अलग से प्रसंस्करण करते हैं। पुत्री प्रकंद को भी बोने के लिए भंडारित किया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को प्रसंस्कृत किया जाता है।

हल्दी का प्रसंस्करण

हल्दी के मातृ एवं पुत्री प्रकंदों का प्रसंस्करण चार अवस्थाओं में पूर्ण किया जाता है।

उबालना

हल्दी के प्रकंदों को उबालने के लिये मिट्टी के बर्तन अथवा लोहे के बड़े व कम गहरे बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। यदि गुड़ बनाने वाली उथली कड़ाही हो तो उसका भी प्रयोग किया जा सकता है। इस बर्तन में हल्दी रखने के बाद इसमें पानी भरा जाता है जिससे कि सभी प्रकंद अच्छी तरह से डूब जायें। इसके बाद हल्दी की पत्तियों की एक मोटी परत से प्रकंद को ढंक दिया जाता है।

सुखाना

हल्दी के उबले हुए प्रकंदों को पानी से बाहर निकालकर पतली परतों से पक्के फर्श में फैलाकर सूर्य ताप में सुखाएं। सामान्यतः उबली हुयी गांठों के सूखने में 7 से 10 दिन लग जाते हैं। सूखने पर प्रकंद सख्त और कड़क हो जाते हैं जिनको तोड़ने पर एक धात्विक आवाज आती है।

छिलके उतारना

अब इन सूखे हुये प्रकंदों के ऊपरी सतह में लगे छिलकों को कठोर फर्श में रगड़ कर या बांस से बनी चटाई या टोकनी में रगड़कर हटाया जाता है। ऐसा करने से प्रकंद चिकने, साफ और जड़ रहित हो जाते हैं। हल्दी की मात्रा अधिक होने पर छिलके उतारने का कार्य मशीन द्वारा किया जाता है।

प्रकंदों को रंगना

छिलका उतारी गयी सूखी हल्दी को रंगने का कार्य उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने के लिए किया जाता है। रंगने का कार्य बांस की टोकनी में सूखी हल्दी को रखकर धीरे-धीरे उसमें रंगने का मिश्रण मिलाते एवं हिलाते हुए किया जाता है। ऐसा करने से हल्दी अच्छी दिखने लगती है। 1000 किग्रा हल्दी को रंगने के लिए फिटकरी (एलम) 40 मिग्रा, हल्दी चूर्ण 2 किग्रा, अरंडी का तेल 140 मिली, सोडियम बाई सल्फाइड 30 ग्राम एवं सान्द्र हाईड्रोक्लोरिक अथवा सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल 30 मिली का प्रयोग किया जाता है।

इसमें चूने का पानी या सोडियम बाई-कार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट का घोल मिलाने से तैयार हल्दी का रंग आकर्षक पीला बनता है। अब हल्दी को उबालने की क्रिया प्रारंभ की जाती है। हल्दी को धीमी आंच में तब तक उबाला जाता है जब तक कि उसमें झाग और हल्दी की खुशबू न आने लगे। बीच-बीच में दो-चार प्रकंदों को बाहर निकालकर उनको उंगलियों से दबाकर उनके मुलायम हो जाने की परीक्षा की जाती रहती है। जब प्रकंद मुलायम होकर उंगलियों से दबने लगे, तब उबालने की क्रिया बंद कर दें।

मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है।

मत्स्य पालन
से बढ़ेगा मुनाफा

मत्स्य उत्पादन के संसाधन

प्रदेश में मछली पालन के लिये कुल 1.589 लाख है। जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें अब तक कुल 1.432 लाख है। जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इसमें ग्रामीण तालाबों के कुल जलक्षेत्र 0.735 लाख है। जलक्षेत्र में से 0.636 लाख है। जलक्षेत्र का विकास कर मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।

मिश्रित मछली पालन

मिश्रित मछली पालन व्यवसाय,बेरोजगार युवकों के लिये आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है। सामान्यतः मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियां कतला, राहू, मृगल, कामनकार्प, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प है। वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तालाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अतः स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में वर्ष 2007-2008 तक स्वयं की भूमि में नवीन तालाब कुल 1834 तालाब जलक्षेत्र 1240.51 हेक्टर का निर्माण कर मिश्रित मछली पालन आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

एकीकृत मछली पालन

एकीकृत मछली पालन का पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, सूकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वयन से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मूल्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न इकाईयों जैसे- मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से आय के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वयन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परित्यक्त पदार्थो का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रूप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न व्यर्थ पदार्थो का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लागत खर्च में काफी कमी आ जाती है।

वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्ष 2008-09 तक कुल 3552 एकीकृत मत्स्य पालन की इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं। जिसमें बतख सह मछली पालन की 1101 इकाईयां स्थापित की गई है। इसी तरह मुर्गी सह मछली पालन की 881 इकाईयां, सूकर सह मछली पालन की 222, फलोद्यान सह मछली पालन की 424, डेयरी सह मछली पालन की 272, धान सह मछली पालन की 446, एवं बकरी सह मछली पालन की 206 इकाईयां स्थापित की जा चुकी है। मत्स्य कृषकों के रूझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है। एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हेक्टर 1 वर्ष में 400 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र मे कोई खाद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पूरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है।

पाली जाने वाली मछलियां एवं बतख एक दूसरे के अनुपूरक होती है। बतखें पोखर के कीड़े, मकोड़े, टेडपोल, घोंघे, जलीय वनस्पति पर नियंत्रण रखती है। बतखों को अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सुरक्षित परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हेक्टर 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है।

मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोखर में खाद के रूप में डाला जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति हेक्टर वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा, मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टेयर के लिए 500 मुर्गियां रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अण्डे तथा मांस की प्राप्ति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विसर्जित व्यर्थ पदार्थो में पाये जाने वाले नाइट्रोजिनस पदार्थो से इसकी पूर्ति हो जाती है। फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ पर अरहर, टमाटर, कुंदरू, तेल युक्त सब्जियां, पपीता, भांटा, मिर्च, लौकी, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते हैं जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

... तो खास होगी पुदीना की फसल

काला कीट : पुदीना की बेहतर फसल लेने के लिए कीटों को पहचानना और उन्हें नियंत्रित करना बेहद जरूरी है. प्रमुख कीट और उनका नियंत्रण उपाय निम्नानुसार है :-

यह काले रंग का बीटल होता है। विकसित कीट 5-7 मिलीमीटर लम्बा होता है। पोदीने के जब केवल 5-7 पत्तियाँ निकली होती है तो यह कीट उनकी सभी पत्तियों को काटकर खा जाता है। मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

सफेद मक्खी

यह पौधों की निचली पत्तियों पर नीचे की सतह पर रहती है। वह पौधों से रच चूसती है तथा कीट विभिन्न प्रकार के विषाणु भी एक पौधे से दूसरे पौधे में पहुंचाते हैं।

नियंत्रण

फास्फोमिडान 200 से 400 मिली या मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये।

सेमीलूपर

सूंडी पत्तियों को काटकर खाती है और गोल या टेढा छेद बनाती है।

नियंत्रण

मैलाथियान 200 से 500 मिलीलीटर या क्विनालफास 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

लेस बग

यह कीट भूरे-काले रंग के होते है जिनके पंखों पर स्पष्ट रोंयें और जाल की तरह निशान बना होता है। जिसके कारण इसे लेस बग के नाम से जाना जाता है कीट का प्रौढ़ और शिशु पोदीने की कोमल पत्तियों के रस को चूसते हैं जिससे पत्तियों का रंग पीला पड़ने लगता है। ये कीट काले रंग का पदार्थ अपने शरीर से निकालते है। जिससे पत्तियाँ दूर से जली हुयी दिखाई देती है। इसके प्रकोप से बढ़वार रूक जाती है और उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

नियंत्रण

डायमिथियेट 300-500 मिलीलीटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल को बचाया जा सकता है।

माहू

कीट कोमल तनों और ऊपरी निकलने वाली पत्तियों के पास लगकर रस चूसते है। इससे पोदीने का पौधा धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। कभी पोदीने में झुलसा रोग भी इस कीट के कारण फैलता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रेम को सेलिब्रेट करने का दिन है वैलेंटाइन डे

वैलेंटाइन डे प्यार को इजहार करने का दिन है। इस दिन लोग प्यार करने वाले को फूल और तोहफे देते हैं और प्यार से बंधे रिश्ते को सेलिब्रेट करते हैं। वैलेंटाइन डे प्रेमियों के लिए हमेशा से ही एक खास दिन रहा है और दुनिया भर के प्रेमी इस दिन का बेसब्री से इंतजार करते हैं। हर 14 फरवरी को प्यार करने वाले प्यार भरे तोहफे और खत देकर इस दिन को मनाते हैं, फिर चाहे वो दोस्त हो, प्रेमी हो, माता-पिता हों या भाई बहिन हों। दुनिया की किसी किताब में ये नहीं लिखा कि हमें वैलेंटाइन डे को सिर्फ अपने प्रेमियों के साथ ही बिताना चाहिए। ये तो प्रेम को सेलिब्रेट करने का दिन है, तो आप अपने जीवन में जिससे भी अधिक प्रेम करते हैं उसके साथ इस दिन को अपने जीवन का कुछ कीमती पल निकालकर प्यार से मना सकते हैं। अपने जज्बातों को शब्दों में बयां करने के लिए इस दिन का हर धड़कते हुए दिल को बेसब्री से इंतजार होता है। दुनियाभर के प्रेमी खासकर युवा पीढ़ी इस दिन को बड़े ही रोमांचक तरीके से मनाते हैं। इन दिन को एक खास नाम दिया गया है। वैलेंटाइन डे प्यार का दिन होता है इसमें लोग जिसे वो प्यार करते हैं उसे फूल, कार्ड और तोहफे देते हैं और उनके साथ वक्त बिताते हैं।

मेरे चेहरे की हंसी हो तुम मेरे दिल की हर खुशी हो तुम मेरे होठों की मुस्कान हो तुम धड़कता है मेरा दिल जिसके लिए वही मेरी जान हो तुम...

जीवन के लिए आखिर क्यों जरूरी है प्यार ?

दुनिया में तमाम गुणा-भाग के बाद केवल प्रेम ही बचा रह जाता है। प्रेम खुशी है। प्यार की धूप-छांव में ही हम खिलते हैं और हमारे अपने खिलखिलाते हैं। फिर प्यार हर जगह है। जहां आप हैं, वहां प्यार है। आप ही तो प्यार हैं। प्यार के जितने रूप हैं, उतने ही आपके।

प्यार के बिना हमारा गुजारा नहीं है। दूसरों के साथ हमारा जोड़ प्यार के पुल पर ही टिका है। यह पुल जितना मजबूत और चौड़ा होता है, उतना ही सफर सुहाना बन जाता है। फिर हम भी मजे से चल पाते हैं। दूसरों को भी साथ चलने में दिक्कत नहीं होती। छोटे-मोटे हिचकोले पड़ते हैं तो भी संतुलन बना रहता है। सच तो यह है कि हम सब, दूसरों के लुटाए गए प्यार के कर्ज में डूबे हैं। हमें कुछ का ही प्यार दिखता है। बाकी के प्रेम को देखने की समझ नहीं होती या हम अनदेखी कर देते हैं। एक बार अपने आसपास नजर दौड़ाएं। हम कितनी ही चीजों से घिरे हैं। नीचे धरती, ऊपर आकाश, हवा-पानी, पेड़-पौधे सब हमें दिए ही जा रहे हैं।

अपनों से ही नहीं, बहुत-सी चीजों से भी हमारा नाता होता है। हर रिश्ते को जीना, उस प्रेम को भी देखना है, जो चुप रहता है। कोई दावा नहीं करता। प्रेम की नजर का ही कमाल है कि दूर के सूरज, चांद से भी रिश्ता महसूस होता है। हम अपने कमरे, कुर्सी और कंप्यूटर के लिए भी कृतज्ञ हो उठते हैं।

जरूरी है हर रिश्ता

सवाल है कि क्यों जरूरी है हर चीज को, हर व्यक्ति को प्रेम करना? मनोविज्ञानी मानते हैं कि पहले की तुलना में अब ऐसी कई चीजें हैं, जो हमें खराब एहसास कराती हैं। रिश्तों में तनाव बढ़ रहे हैं। आगे निकलने की होड़ है। दुनियाभर में एक-दूसरे से नफरत बढ़ रही है। मनों में उदासी बढ़ती जा रही है। कुछ समस्याएं इसलिए हैं कि हम दूसरों को प्यार नहीं करते। बहुत-सी इसलिए हैं कि हम खुद से प्यार करना नहीं जानते। वियतनामी बौद्ध गुरु तिक नत हन्ह कहते हैं कि हमारी खुशियां इस पर निर्भर करती हैं कि हम दिल से कितने आजाद हैं। अपने ही फायदे-नुकसान से घिरा, सहमा मन, प्यार कर ही नहीं सकता। तब हम खुद को भी चोट पहुंचाते हैं, दूसरों को भी दुखी करते रहते हैं। हर समय दूसरों का साथ छूटने का डर सताता रहता है।

दिलों को जोड़ता है प्यार

हर रिश्ते को जीना इसलिए जरूरी है कि प्यार दिलों को जोड़ता है। कड़वे जख्म भर जाते हैं। प्यार की ठंडक से भीतर का उबाल शांत होता है। हम दूसरों को माफ करना सीखते हैं। लॉ ऑफ अट्रेक्शन से जुड़ी 'सीक्रेट' एक चर्चित किताब है। लेखिका रोंडा बायन कहती हैं कि जितना ज्यादा हो सके हर चीज, हर व्यक्ति से प्यार करें। ध्यान केवल प्यार पर रखें। पाएंगे कि जो प्यार आप दे रहे हैं, वह कई गुणा बढ़कर आप तक लौट रहा है।

रिश्ते में सबसे बड़ा रोड़ा है अहंकार

दूसरों के साथ हमारे रिश्ते में सबसे बड़ा रोड़ा है अहंकार। यह बड़ी चतुराई से अपनी जगह बनाता है। अहंकारी अपने फायदे के लिए ही दूसरों के पीछे भागता है। बड़ों से संबंध जोड़ता है और छोटों की अनदेखी कर देता है। प्रेम हंसाता है तो अहंकार चोट पहुंचाता है। अहंकार गले लगाकर भी दूसरे को छोटा ही बनाए रखता है। यह केवल दूसरों से पाने की चाह रखता है। शरीर से परे मन का प्रेम ही हमें दूसरों के प्रति कृतज्ञ बनाता है। प्रेम की कक्षा में हम जितना आगे कदम बढ़ाते हैं, भेद खत्म होते चले जाते हैं। प्रेम हमें तो हल्का करता ही है, दूसरों को भी जीवन से भर देता है। ओशो कहते हैं कि प्रेम के तीन स्तर हैं—शरीर, मन और आत्मा। सच्चा प्रेम समय और स्थान से परे है। वह देने में खुश होता है। भरे बादलों की तरह सब पर बरसता है। सब रिश्तों को जीने का मतलब यही है कि हम हर तरह का प्यार देख-समझ सकें। जब भीतर बेचैनी बढ़ने लगे तो बाहर से जुड़ जाएं। दूसरों को बांटें। जब बाहर के प्रेम से मन भर जाए तो भीतर की ओर लौट जाएं। भीतर ध्यान बना रहे और बाहर प्रेम। हम प्रेम करें। बस प्रेम करें या फिर प्रेम की बातें।

क्यों मनाया जाता है वैलेंटाइन डे ?

हम आपको बता दें कि हर त्यौहार के पीछे कोई न कोई कहानी जुड़ी है, चाहे वह दीवाली या फिर ईद हो, तो इसी तरह वैलेंटाइन डे से भी एक कहानी जुड़ी है, जिसके बारे में आज हम आपको इस आलेख में बताएंगे। इससे आपको वैलेंटाइन डे के बारे में पूरी जानकारी मिल सकेगी।

ऐसा माना जाता है की वैलेंटाइन डे का नाम रोम के एक पादरी संत वैलेंटाइन के नाम पर रखा गया है, दरअसल रोम में तीसरी सदी में क्लॉडियस नामक राजा का राज्य था। रोम के राजा क्लॉडियस का मानना था कि विवाह करने से पुरुष की बुद्धि खत्म हो जाती है, इसके चलते क्लॉडियस ने अपने राज्य में ये आदेश दिया कि उसका कोई सैनिक या अधिकारी शादी नहीं करेगा और उसने ये भी कहा कि अगर मेरा कोई सैनिक या अधिकारी शादी करेगा तो उसे सजा दी जाएगी। राजा के इस फैसले से सभी सैनिक काफी दुखी थे, परंतु राजा के डर से किसी ने कुछ भी नहीं कहा।

और सभी सैनिक राजा की आज्ञा का पालन करने के लिए मजबूर हो गए, परंतु संत वैलेंटाइन ने इस बात का विरोध किया और पूरे राज्य में लोगों को शादी करने के लिए प्रेरित किया। संत वैलेंटाइन ने रोम में बहुत सारे सैनिकों और अधिकारियों की शादी करवाई और जब राजा को इस बात का पता चला तब उसे इस बात का बहुत गुस्सा आया और उसने संत वैलेंटाइन को बंदी बनाने का आदेश दे दिया और उसे फांसी की सजा सुना दी गई। अब संत वैलेंटाइन अपनी मौत का इंतजार कर रहे थे, इसी बीच संत वैलेंटाइन को एक अंधी लड़की से प्यारा हो गया, जो कि जेलर की बेटी थी। वह अपनी मौत की पूर्व संध्या पर कुछ लिखना चाहता था, लेकिन वहां लिखने का कोई साधन उपलब्ध नहीं था।

कहा जाता है कि वैलेंटाइन ने उसे स्याही में एक सोननेट लिखा है, जो कि violets से निचोड़ा हुआ था। उसने अंतिम बार उस अंधी लड़की को फिर से देखा और उन दोनों में रोमांस हुआ, जो उनके जीवन का अंतिम पल था और अगले दिन वैलेंटाइन को रोमन के जल्लादों द्वारा 14 फरवरी को फांसी दे दी गई। इस बलिदान की वजह से 14 फरवरी को वैलेंटाइन के नाम से रखा गया और संत वैलेंटाइन की याद में हर साल 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। वैसे माने तो प्यार करने वाले के लिए हर दिन खास होता है और अपने साथी से प्यार जताने के लिए कोई तरीख या दिन मायने नहीं रखता है, लेकिन दौड़ती हुई जिंदगी के लिए आज का दिन मोहब्बत के नाम कर दिया गया।

इसके बारे में कुछ रोचक तथ्य

- हर साल वैलेंटाइन डे 14 फरवरी को मनाया जाता है।
- हर साल लगभग,1 बिलियन वैलेंटाइन डे कार्ड का आदान-प्रदान किया जाता है
- वैलेंटाइन डे पर हर साल इतनी कैंडी बनाई जाती है कि Arizona से Roam, इटली और वापस Arizona तक लाया जा सकता है। इन दिल के आकार वाली कैंडी का उत्पादन लगभग 8 मिलियन है।
- क्रिसमस के बाद वैलेंटाइन डे कार्ड भेजने के मामलों में वर्ष का दूसरा सबसे बड़ा दिन हैं।
- फिनलैंड के लोग वैलेंटाइन डे को, 'मित्र दिवस' के रूप में मनाते हैं। और इस दिन वहां मित्रों को याद किया जाता है।
- हर साल वैलेंटाइन डे पर इटली का वेरोना शहर 1000 पत्र प्राप्त करता है, जिन्हें जूलियट के पते पर भेजा जाता हैं। यह वह जगह है, जहां रोमियो और जूलियट रहते थे।
- भारत में वैलेंटाइन डे का आरंभ 1992 में हुआ था, लेकिन भारत के लोगों ने इस दिन को नफरत ज्यादा दी।
- ईरान सरकार ने वैलेंटाइन डे 2011 में बैन लगा दिया था, यहां लाल गुलाब हार्ट शेप और इससे जुड़े सभी चीजे को बैन कर दिया था।
- जापान में सिर्फ पुरुष ही वैलेंटाइन डे मनाते है।
- मलेशिया में सिर्फ मुस्लिम ही वैलेंटाइन डे को मना सकते हैं।
- 2011 में वैलेंटाइन डे के दिन मैक्सिको में 39 हजार 897 लोगों ने एक साथ किस किया था, जो आज तक वर्ल्ड रिकॉर्ड है।
- इस दिन के मौके पर सबसे ज्यादा प्रयोग किए जाने वाले लाल गुलाब को प्यार का प्रतीक माना जाता है, क्योंकि लाल रंग प्यार को रोमांटिक भावनाओं को प्रदर्शित करने वाला रंग माना जाता है।
- एक अनुमान के अनुसार वैलेंटाइन डे के मौके पर पूरी दुनिया में लगभग 73 प्रतिशत पुरुष और 27 प्रतिशत महिलाएं अपने प्रेम के इजहार के लिए फूल खरीदती हैं।
- पहला दर्ज वैलेंटाइन सन् 1415 फरवरी में मनाया गया था, इस दिन ऑरलियन्स के अंग्रेजी ड्यूक ने अपनी पत्नी को प्रेम पत्र भेजा था, यह पत्र उन्होंने लंदन टावर के जेल में बैठकर लिखा था। इस पत्र को आज भी ब्रिटिश संग्रहालय मे देखा जा सकता है।
- दक्षिण कोरिया एक ऐसा देश है, जहां हर माह की 14 तारीख को वैलेंटाइन के रूप मे मनाया जाता है।
- वर्ष 1537 मे इंग्लैंड के राजा हेनरी VII ने पहली बार 14 फरवरी को आधिकारिक तौर पर सेंट वैलेंटाइन डे के दिन छुट्टियों की घोषणा की थी।

बॉयफ्रेंड और गर्लफ्रेंड के लिए वैलेंटाइन गिफ्ट

वैलेंटाइन डे का दिन प्यार करने वालों के लिए सबसे खास दिन होता है, इस खास दिन में अपने साथी को खास तोहफा देना बहुत ही जरूरी है, जो आपके प्यार की नींव को और भी मजबूत बना देगा। इन खास तोहफों से हम अपने साथी को ये एहसास दिलाते हैं कि वो हमारे लिए कितना स्पेशल है, इसलिए आज हम आपके लिए कुछ गिफ्ट ideas लेकर आए हैं, जिससे आपको अपने बॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड के लिए गिफ्ट सेलेक्ट करने में मदद मिलेगी। अपने बॉयफ्रेंड के लिए या लड़कों के लिए गिफ्ट चुनना बहुत ही आसान है, क्योंकि जब एक लड़की उन्हें कुछ भी गिफ्ट करती है तो उनके लिए वो स्पेशल ही होता है, लेकिन लड़कियों के लिए गिफ्ट चुनना बहुत ही मुश्किल है, उन्हें क्या अच्छा लगेगा और क्या नहीं ये कहना जरा मुश्किल है, इसलिए आपकी मुश्किलों को दूर करने कुछ गिफ्ट के ideas लेकर आए हैं, जिससे आपको ये पता चल जाएगा कि किस तरह के गिफ्ट आप उन्हें दे सकते हैं, जिसे उन्हें यकीनन पसंद आ जाए।

1. **चॉकलेट्स :** ये गिफ्ट दोनों के लिए परफेक्ट गिफ्ट है। जब किसी अच्छी चीज की शुरुआत होती है तो सबसे पहले मुंह मीठा करने की बात याद आती है। उसी तरह वैलेंटाइन डे के मौके पर मीठा गिफ्ट हो जाए तो क्या कहना। जिस तरह लड़कियों को चॉकलेट्स बहुत ही पसंद होता है, उसी तरह लड़कों को भी चॉकलेट्स अच्छा लगता है तो आप उन्हें अलग-अलग तरह के चॉकलेट्स एक डिब्बे में भरकर उन्हें पैक कर दे सकते हैं या ऑनलाइन आर्डर कर भेज सकते हैं।

2. **परफ्यूम :** हम सबको परफ्यूम बेहद पसंद होता है। आप कोई भी ब्रांडेड परफ्यूम को तोहफे के रूप में अपने साथी को भेंट कर सकते हैं, ये तोहफा उनको बहुत अच्छा लगेगा।

3. **वॉलेट :** वैसे तो आज कल सभी जेब में ऑनलाइन वॉलेट जैसे Mobikwik, Paytm, BHIM App इत्यादि अपने मोबाइल में रखते हैं पर वॉलेट भी अभी बंद नहीं हुआ है। आप चाहे तो अपने बॉयफ्रेंड को leather का stylist वॉलेट भी गिफ्ट में दे सकते हैं।

4. **गुलाब:** लड़कियों को rose बहुत ही पसंद होता हैं, चाहे वो natural हो या artificial अगर आपको natural गुलाब का फूल देना है तो आप बाजार से ताजे फूल के गुलदस्ते दे सकते हैं, ये लड़कियों को काफी रोमांटिक लगता है। अगर आपको artificial फूल देना है तो आप ऑनलाइन amazon या flipkart से खरीद कर भी दे सकते हैं।

5. **प्रिंटेड कॉफी मग :** आप coffee mug में अपने प्रेमी का फोटो या फिर I Love You लिखकर Print करवा सकते हैं। ये दिखने में बहुत ही सुंदर लगता है, जो चाहे लड़का हो या लड़की अपने प्यार को उपहार में दे सकता है। जब आप ये अपने चाहने वाले को देंगे तो उन्हें बहुत खुशी होगी और प्यार का रिश्ता भी मजबूत होगा।

6. **लेडीज पर्स :** यह वैलेंटाइन गिफ्ट खासकर लड़कियों या महिलाओं को देने के लिए जबरदस्त है। शायद ही कोई लड़की होगी, जिसको purse या handbag पकड़ना अच्छा न लगता हो। अगर आप ऑनलाइन वेबसाइट पर सर्च करेंगे तो आपको बहुत से variety के बढ़िया-बढ़िया purse देखने को मिलेंगे, उनमे से आप सेलेक्ट कर गिफ्ट कर सकते हैं।

भारत के इतिहास में अमर हो गई प्यार की ये कहानियां

अमर प्रेम का प्रतीक ताजमहल

वेलेंटाइन वीक चल रहा है। हर दिन किसी खास चीज को लेकर मनाया जाता है। गुलाब देने से लेकर प्रपोज करने तक हर दिन बेहद खास होता है। भले ही भारतीय समाज में वेलेंटाइन डे को अच्छी दृष्टी से न देखा जाता हो,

लेकिन इसी भारत में बहुत सी प्यार की कहानियां है। जिनके प्रमाण आज भी है। आगरा का ताजमहल हो या मांडवा का किला ये सब अमर प्यार की जीती जागती तस्वीरें पेश करते हैं। तो चलिए जानें ऐसी ही कुछ ऐतिहासिक प्रेम कहानियों के बारे में जो भारत के गौरवशाली इतिहास से निकली हुई हैं।

शाहजहां और मुमताज की मोहब्बत

प्यार की निशानी के रूप में पूरी दुनिया में मशहूर ताजमहल मुगल बादशाह शाहजहां और मुमताज के अमर प्रेम की कहानी कहता है। शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए सफेद संगमरमरों का किला बनवाया जो आज के समय ताजमहल के नाम से मशहूर है। ताजमहल में बादशाह और उनकी बेगम की कब्र बनी हुई है।

पृथ्वीराज चौहान और संयुक्ता का प्रेम

राजपूतों के शौर्य से तो पूरा इतिहास भरा पड़ा है। इसी में से एक थे पृथ्वीराज चौहान। चौहान राजवंश के राजा पृथ्वीराज को अपने दुश्मन कन्नौज के राजा जयचंद की बेटी संयुक्ता से प्रेम हो गया। जयचंद को जब इस बारे में पता चला तब वो काफी क्रोधित हुए और संयुक्ता के स्वंयवर का आयोजन किया। इस स्वयंवर में उन्होंने कई राजकुमारों को बुलाया लेकिन जयचंद ने पृथ्वीराज को निमंत्रण नहीं दिया और अपने दरबार के बाहर उसका एक पुतला बनवाकर दरबान के तौर पर खड़ा कर दिया। संयुक्ता से जब वरमाला डालने के लिए कहा, तब वो उस सभा में मौजूद सभी राजकुमारों को छोड़ कर द्वार पर चली गई और पृथ्वीराज के पुतले को माला पहना दी। उस पुतले के पीछे पृथ्वीराज पहले से मौजूद थे और सबके सामने वो संयुक्ता को अपने साथ भगा कर ले गए।

बाजबहादुर और रूपमती की प्रेम गाथा

मध्यप्रदेश के मालवा राज्य के राजा बाजबहादुर की प्रेम गाथा यहां के किलों में आज भी गूंजती है। शिकार पर निकले हुए राजा को एक साधारण स्त्री रूपमती से प्रेम हो गया। दुनिया की परवाह न करते हुए बाजबहादुर ने रूपमती से विवाह किया और उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकारा।

बाजीराव-मस्तानी की मोहब्बत-ए-दास्तां

मराठों के जांबांज योद्धा बाजीराव की प्रेम कहानी पर फिल्म बनने के बाद लोगों का ध्यान इनकी अद्भुत प्रेम कहानी पर गया। बाजीराव ने बुंदेलखंड के राजा छत्रसाल की बेटी मस्तानी से प्रेम हो गया। हांलाकि उनके इस विवाह को समाज की मान्यता नहीं मिली। लेकिन जीवन के अंत तक दोनों की सांसे एक दूसरे से बंधी रहीं।

बिंबिसार और आम्रपाली की प्रेम कहानी

भारत के शूरवीर राजाओं की प्रेम कहानियां भी बहुत ही अद्भुत हैं। ऐसी ही एक प्रेम कहानी राजा बिंबिसार की है। कहते हैं कि राजा बिंबिसार को राज्य की सबसे खूबसूरत नर्तकी से प्रेम हो गया था। युद्ध के दौरान घायल बिंबिसार की सेवा आम्रपाली ने एक साधारण सैनिक समझ कर की थी और नर्तकी के रूप से मोहित होकर राजा ने उससे विवाह कर लिया था।

जानें इन देशों में कैसे मनाया जाता है वैलेंटाइन डे

वैलेंटाइन डे प्यार का दिन है, प्यार करने वालों का दिन है। मोहब्बत के इजहार का दिन है, लेकिन भारत में हर साल इस दिन को मनाने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रहती है। लेकिन दुनिया के कई देश ऐसे है जहां इस त्यौहार को मनाने के लिए तैयारियां काफी पहले से शुरू हो जाती हैं। अलग-अलग देशों में वैलेंटाइन डे सेलीब्रेट करने के अपने अलग तरीके और अपनी अलग-अलग परंपराएं हैं। जानें कैसे इन 10 देशों में वैलेंटाइन डे मनाने का अलग-अलग रिवाज है-

इटली: इटली में वैलेंटाइन डे स्प्रिंग फेस्टिवल के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर लोग बगीचों में इकट्ठा होते हैं और संगीत का आनंद उठाते हैं। कुंवारी लड़कियों सुबह ही उठ जाती है। यहां परपंरा है कि सुबह-सुबह जो पुरुष महिला को दिखा, संभवत: वो ही महिला का होने वाला पति होगा।

डेनमार्क: 1990 से डेनमार्क में वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। वैलेंटाइन डे पर यहां पुरुष महिलाओं को एनोनिमस कार्ड भेजते हैं, जिसे जोकिंग लेटरक कहा जाता है। जिसे महिलाओं को उनके नाम का अंदाजा लगाना होता है। जो महिला भेजने वाले का नाम पहचान जाती है उसे बाद में ईस्टर एग दिया जाता है।

फ्रांस: फ्रांस को दुनिया की सबसे रोमांटिक जगह है। यहां वैलेंटाइन डे पर एक परंपरा है, जिसमें लड़के-लड़की को जोड़ा बनाया जाता है। अगर पुरुष को महिला पसंद नहीं तो वह उसे छोड़कर दूसरी महिला को पसंद कर सकता है।

दक्षिण कोरिया: दक्षिण कोरिया में हर महीने की 14 तारीख को प्यार के दिन के तौर पर सेलीब्रेट किया जाता है। वैलेंटाइन डे के मौके पर महिलाएं पुरुषों को चॉकलेट्स और तोहफे देती हैं और अगले महीने 14 मार्च यानी व्हाइट डे पर पुरुष महिलाओं को रिटर्न गिफ्ट देते हैं।

वेल्स: यहां के लोग 25 जनवरी को वैलेंटाइन डे मनाते है। इस मौके पर एक दूसरे को लकड़ी के चम्मच तोहफे में देते हैं, इन्हें लव स्पून्स कहते हैं। खास बात ये होती है कि चम्मच के डिजाइन में कोई न कोई संदेश छिपा होता है।

ब्राजील: ब्राजील में फूल, चॉकलेट्स, कार्ड और तोहफों के साथ मनाया जाता है। यहां 12 जून को वैलेंटाइन डे मनाया जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

यमन में सुरक्षा बलों द्वारा अलगाववादी प्रदर्शन को तितर-बितर करने के दौरान कम से कम 5 की मौत, कई घायल

सना , एजेंसी। अधिकारियों और अलगाववादियों ने बुधवार को बताया कि यमन के मुख्य अलगाववादी समूह के समर्थकों और स्थानीय सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में कम से कम पांच लोग मारे गए हैं और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार में नव नियुक्त कानूनी मामलों के मंत्री एशराक अल-मक्तारी ने एक्स पर लिखा कि शबवा प्रांत में 'दर्दनाक घटनाएं' घटी हैं। प्रत्यक्षदर्शियों खालिद अल-मेरफेदी और सलेम लाहतल ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि यमन की अलगाववादी दक्षिणी संक्रमणकालीन परिषद के समर्थकों द्वारा अताक शहर में प्रांत के स्थानीय प्रशासनिक प्राधिकरण भवन पर धावा बोलने के दौरान झड़पें भड़क उठीं, जिसके दौरान यमनी ध्वज को उतारने का प्रयास किया गया।

श्रीलंका :सांसद की हत्या के 12 संदिग्धों को मौत की सजा

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की एक अदालत ने सांसद अमरकीर्ति अथुकोरले और उनके सुरक्षा अधिकारी की हत्या के मामले में 12 संदिग्धों को मौत की सजा सुनाई है। गम्पाहा हाईकोर्ट ने कुल 41 आरोपियों में से 16 को दोषी पाया, इनमें से 4 को निलंबित कारावास की सजा मिली है। घटना 9 मई 2022 की है, जब देशव्यापी आर्थिक संकट के खिलाफ प्रदर्शन हिंसक हो गए थे।भीड़ ने सांसद की गाड़ी रोककर उनकी बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इसी जनाक्रोश के कारण तत्कालीन राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे को इस्तीफा देना पड़ा था।

धार्मिक भावनाएं आहत करने पर भारतवंशी को 14 सप्ताह की जेल

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने धार्मिक भावनाएं आहत करने और एक सरकारी अधिकारी के खिलाफ अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल के मामले में भारतवंशी विक्नेश्वरन वी. मोगनावल को 14 सप्ताह की जेल की सजा सुनाई है। पड़ोसियों के बच्चों के शोर से नाराज होकर उसने दीवाली के दिन कॉरिडोर में सूअर का मांस फैला दिया, जबकि उसे पता था कि वे मलय-मुस्लिम हैं। अभियोजन ने इसे असहिष्णु कृत्य बताया। हालांकि, बाद में आरोपी ने अदालत में माफी मांगते हुए पश्चाताप जताया।

रूसी ड्रोन हमले में पिता और तीन बच्चों की मौत, गर्भवती घायल

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी खार्किव में रूसी ड्रोन हमले में एक घर पूरी तरह तबाह हो गया। इसमें एक पिता और उसके तीन छोटे बच्चों की मौत हो गई। बचावकर्मियों ने 35 सप्ताह की गर्भवती को मलबे से जिंदा निकाला, जो गंभीर रूप से घायल है। अधिकारियों के अनुसार, हमला गेरान-2 ड्रोन से किया गया। रूस ने रातभर में 129 ड्रोन दागे। वहीं, यूक्रेन के ड्रोन हमले से रूस के वोल्गोग्राद में औद्योगिक संयंत्र में आग लगी और कई हवाईअड्डों पर उड़ानों को अस्थायी रूप से रोका गया है।

ईरान : प्रदर्शनों पर राष्ट्रपति पेजेशकियान ने मांगी जनता से माफी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने देशव्यापी प्रदर्शनों व उसके बाद खूनी कार्रवाई से पीड़ित सभी लोगों से बुधवार को माफी मांगी। राष्ट्रपति ने प्रदर्शनों को लेकर फैलाए कथित पश्चिमी दुष्प्रचार की भी निंदा की। उन्होंने कहा, वह प्रदर्शनों और उनके खिलाफ कार्रवाई के दौरान हुए लोगों के गहरे दुख को समझते हैं लेकिन उन्होंने सीधे तौर पर यह स्वीकार नहीं किया कि इस रक्तपात में ईरानी सुरक्षा बलों की भूमिका थी।

अल्बानिया में हिंसक हुए सरकार विरोधी प्रदर्शन

तिराना, एजेंसी। अल्बानिया में पीएम एडी रामा के कार्यालय के बाहर हुआ सरकार विरोधी प्रदर्शन मंगलवार रात हिंसक हो गया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें व आंसू गैस छोड़ीं, जबकि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की ओर मोलोटोव कॉकटेल व बोतलें फेंकीं। संसद भवन के पास भी झड़पें हुईं। घटना में 16 लोग घायल हो गए। 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गत नवंबर से ही यहां सियासी असंतोष बढ़ गया था। अल्बानिया में अभियोजकों ने उप प्रधानमंत्री व ऊर्जा-बुनियादी ढांचा मंत्री बेलिंडा बालुकु पर सरकारी निर्माण ठेकों में दखल का आरोप लगाया था। उन्हें कुछ समय निलंबित कर फिर पद पर बुला लिया गया।

नील नदी में डूबी यात्रियों से भरी नाव, महिलाओं-बच्चों समेत 15 की दर्दनाक मौत

खार्तूम, एजेंसी। सूडान में नील नदी में एक यात्री नौका पलटने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं; बचाव दल ने छह लोगों को बचाया है और कई लापता लोगों की तलाश जारी है। सूडान में नील नदी में एक यात्री नौका पलट जाने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। चिकित्सकों के एक समूह ने यह जानकारी दी। देश में जारी युद्ध पर नजर रखने वाले चिकित्सकों के समूह 'सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क' ने बताया कि महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 27 लोगों को लेकर जा रही नौका उत्तरी नील नदी प्रांत में डूब गई। समूह ने कहा कि कम से कम 15 लोगों के शव बरामद किए गए हैं तथा स्थानीय निवासी एवं बचाव दल अब भी कम से कम छह अन्य लोगों की तलाश कर रहे थे। उसने बताया कि छह लोगों को बचा लिया गया।

ग्रुप ने अधिकारियों से तलाशी के काम में तेज़ी लाने के लिए खास बचाव दल और सामान तैनात करने की अपील की। इस अफ्रीकी देश के पानी के रास्तों पर ओवरलोड नावों पर ऐसी दुखद घटनाएं आम हैं, जहाँ अक्सर सुरक्षा उपायों को नज़रअंदाज़ किया जाता है।

हादसा कैसे हुआ और नाव में कितने लोग थे : स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह दुर्घटना सूडान के उत्तरी नील नदी प्रांत में हुई। नाव में करीब 27 लोग सवार थे, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल थे।

अचानक नाव असंतुलित हुई और कुछ ही पलों में नदी में समा गई। मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया, लेकिन तेज़ बहाव के कारण कई यात्री डूब गए।

रेस्क्यू ऑपरेशन में क्या अब भी उम्मीद बाकी है : 'सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क' के अनुसार, अब तक 15 शव बरामद किए जा चुके हैं और छह लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। हालांकि, कम से कम छह लोग अब भी लापता हैं। स्थानीय लोग और बचाव दल लगातार तलाश में जुटे हुए हैं। लोगों का कहना है कि समय पर आधुनिक रेस्क्यू उपकरण होते तो और जानें बच सकती थीं।

क्या ओवरलोडिंग बनी इस त्रासदी की सबसे बड़ी वजह : सूडान में नदी परिवहन आम है, लेकिन सुरक्षा नियमों की अनदेखी भी उतनी ही आम है। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि नाव जरूरत से ज्यादा भरी हुई थी। ओवरलोडिंग, लाइफ जैकेट की कमी और निगरानी तंत्र की कमजोरी-ये सभी कारण इस हादसे को और भयावह बना सकते हैं।

नील नदी: जीवनदायिनी या खतरे की नदी : नील नदी दुनिया की सबसे लंबी नदी मानी जाती है, जिसकी लंबाई करीब 6,650 किलोमीटर है। यह नदी अफ्रीका के कई देशों से होकर बहती है और आखिर में भूमध्य सागर में मिलती है। इतिहास में इसे 'मिस्र का वरदान' कहा गया, लेकिन आज यही नदी लापरवाही के चलते मौत का कारण बनती जा रही है।

क्या सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी तय होगी : स्थानीय डॉक्टरों के समूह ने सरकार से मांग की है कि नदी सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू किया जाए और बचाव कार्यों को तेज़ किया जाए। अगर अब भी सबक नहीं लिया गया, तो ऐसे हादसे दोहराते रहेंगे।

आखिर कब सुरक्षित होगा नदी का सफर : यह हादसा सिर्फ एक खबर नहीं, बल्कि चेतावनी है। चेतावनी उन सिस्टमों के लिए, जो सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं देते। जब तक नियम, निगरानी और ज़िम्मेदारी तय नहीं होगी, तब तक नील नदी जैसी जीवनरेखा बार-बार मातम का कारण बनती रहेगी।

दुनिया की सबसे लंबी नदी : नील नदी की लंबाई लगभग 6,650 किलोमीटर है। यह अफ्रीका महाद्वीप के एक बड़े हिस्से से होकर बहती है और अंत में भूमध्य सागर में जाकर गिरती है। इतिहासकार हेरोडोटस ने नील नदी को 'मिस्र का वरदान' कहा था। इसका कारण यह है कि प्राचीन मिस्र की पूरी सभ्यता इसी नदी के किनारे विकसित हुई। अगर नील नदी न होती, तो मिस्र का अधिकांश हिस्सा आज केवल एक रेगिस्तान होता। नील नदी मुख्य रूप से दो बड़ी सहायक नदियों से मिलकर बनती है: सफेद नील : इसका स्रोत मध्य अफ्रीका की 'विक्टोरिया झील' माना जाता है। **नीली नील :** इसका स्रोत इथियोपिया की 'ताना झील' है। ये दोनों नदियाँ सूडान की राजधानी खार्तूम में आपस में मिलती हैं, जहाँ से इसे मुख्य 'नील नदी' कहा जाता है।

फाइट क्लब बनी तुर्किये की संसद; न्याय मंत्री की नियुक्ति पर सांसदों में चले लात-घूंसे

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये की संसद बुधवार को जंग का मैदान बन गई और सत्ता और विपक्षी सांसदों के बीच जमकर लात घूंसे चले। दरअसल कैबिनेट में बदलाव के तहत न्याय मंत्री के पद पर एकिन गुरलेक को शपथ दिलाई जा रही थी, जिसका विपक्षी पार्टियों द्वारा विरोध किया जा रहा था। विपक्षी सांसदों ने एकिन गुरलेक को शपथ लेने से रोकने की कोशिश की, जिस पर सत्ताधारी पार्टी एके के सांसद और विपक्षी सांसदों में बहस होने लगी। थोड़ी ही देर में यह बहस हिंसक हो गई और सांसदों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। हमले के दौरान जमकर लात घूंसे चले और खूब धक्का मुक्की हुई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

तुर्किये की संसद में क्यों हुआ हंगामा : एकिन गुरलेक एक विवादित व्यक्ति हैं और उन्हें राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन का करीबी माना जाता है। आरोप है कि गुरलेक ने विपक्षी नेताओं के खिलाफ हाई प्रोफाइल ट्रायल्स की सुनवाई की है। हालांकि विपक्ष का मानना है कि गुरलेक के फैसले राजनीति से प्रभावित थे। लड़ाई झगड़े के बाद संसद की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। हालांकि सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होने के बाद एकिन गुरलेक ने विपक्षी विरोध के बावजूद न्याय मंत्री पद की शपथ ली।

गौरतलब है कि गुरलेक ने ही इस्तांबुल के मेयर और राष्ट्रपति एर्दोगन के सबसे बड़े विरोधी इमामोग्लू के खिलाफ गुरलेक ने ही अभियोग दायर किया था। इमामोग्लू पर भ्रष्टाचार और संगठित अपराध से जुड़े 142 अपराधों का आरोप लगाया गया।

इन आरोपों में इमामोग्लू को 2000 साल से अधिक की सजा हो सकती है। इमामोग्लू के समर्थकों का दावा है कि उन पर लगे आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। हालांकि सरकार इन आरोपों को खारिज करती है।

पाल चुनाव के लिए भारत ने भेजे वाहन और तकनीकी मदद, पीएम सुशीला कार्की ने कहा धन्यवाद

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने मार्च में प्रस्तावित संसदीय चुनावों के लिए भारत द्वारा दी जा रही तकनीकी और सामग्री सहायता के लिए भारत सरकार का आभार जताया है। प्रधानमंत्री कार्की ने सिंहदरबार में भारत के नेपाल में राजदूत नवीन श्रीवास्तव से मुलाकात की। प्रधानमंत्री सचिवालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने विशेष परिस्थितियों में चुनावों के सुचारु संचालन के लिए भारत द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न संसाधनों, जिनमें वाहन भी शामिल हैं, के लिए पड़ोसी और मित्र देश भारत को धन्यवाद दिया। बैठक के दौरान भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल के लोकतांत्रिक सफर के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि एक मित्र पड़ोसी के रूप में नेपाल की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समर्थन देना भारत का दायित्व है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि चुनावों के बाद नेपाल में संवैधानिक और लोकतांत्रिक स्थिरता भारत के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। इस बीच, नेपाल निर्वाचन

आयोग ने आगामी संसदीय चुनावों की तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार से दूरदराज और पहाड़ी जिलों में बैलेट बॉक्स भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। काठमांडू स्थित निर्वाचन आयोग मुख्यालय में बैलेट बॉक्स की गिनती, पैकिंग और डिस्पैच का काम जारी है। निर्वाचन आयोग ने बताया कि प्रतिनिधि सभा के फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट सिस्टम के तहत अब तक 1 करोड़ 9 लाख 63 हजार (10,963,000) मतपत्रों की छपाई पूरी हो चुकी है। ये मतपत्र 37 जिलों की 88 सीटों के लिए हैं। निर्वाचन आयोग के सहायक प्रवक्ता कुल बहादुर जीसी के अनुसार, देशभर की 165 सीटों के लिए कुल 2 करोड़ 32 लाख 30 हजार (20,323,000) मतपत्रों की आवश्यकता है।

ट्रंप प्रशासन का बड़ा फैसला: ओबामा की क्लाइमेट पॉलिसी को करेगा रद्द, अमेरिका में बढ़ी हलचल

वॉशिंगटन, एजेंसी। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' की बात करने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर्यावरण संबंधी चुनौतियों को भी दरकिनार करने से पिछड़ नहीं रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने ऐलान किया है कि वह इस सप्ताह एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 2009 में स्थापित 'एंडेंजर्मेंट फाइंडिंग' को रद्द करने जा रहा है, जो दशकों से अमेरिकी क्लाइमेट नियमों का मूल कानूनी आधार रहा है। 2009 का यह वैज्ञानिक निर्णय, जिसे 'एंडेंजर्मेंट फाइंडिंग' कहा जाता है, इस बात का औपचारिक सरकारी निर्धारण था कि कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) और अन्य ग्रीनहाउस गैसें सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामान्य कल्याण के लिए खतरा हैं। इसी आधार पर पर्यावरण संरक्षण एजेंसी

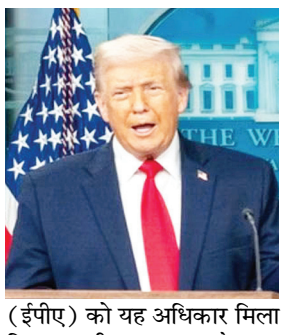

(ईपीए) को यह अधिकार मिला कि वह क्लीन एयर एक्ट के तहत वाहनों, उद्योगों और पावर प्लांटों के लिए उत्सर्जन-नियमन और ग्रीनहाउस गैस नियंत्रण नियम बनाए। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इस फाइंडिंग को हटाने से व्यवसायों और आम जनता पर नियमों के आर्थिक बोझ में राहत मिलेगी और ऊर्जा-उत्पादन को मुक्त कर अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने इसे 'इतिहास की सबसे बड़ी डिरेगुलेटरी (नियम हटाने वाली) कार्रवाई' बताया है, जिसका उद्देश्य 'अमेरिकी ऊर्जा प्रभुत्व' को मजबूत करना है और ये अमेरिकियों को 1.3 ट्रिलियन डॉलर की रेगुलेटरी लागत से बचाएगा। वैज्ञानिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों ने इसका विरोध शुरू कर दिया है। नेशनल रिसोर्सेस डिफेंस काउंसिल के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया है कि एंडेंजर्मेंट फाइंडिंग को रद्द करने से गैर-प्राकृतिक आपदाओं के बढ़ते जोखिमों का सामना करने वाले लाखों अमेरिकियों के लिए परिणाम 'विनाशकारी' हो सकते हैं।

ट्रंप की इस घोषणा के आलोचक मानते हैं कि यह निर्णय केवल एक नियम को बदलने जैसा नहीं है बल्कि पूरे अमेरिकी जलवायु नियमों की नींव को ही कमजोर करता है, क्योंकि इससे वह कानूनी आधार मिट जाएगा जिस पर कई उत्सर्जन मानक और पर्यावरण नियम आधारित हैं। इसका असर वाहन उत्सर्जन, औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण और पावर प्लांटों के नियमों पर भी पड़ेगा। कई पर्यावरण समूह इस बदलाव को इतिहास में सबसे बड़े हमलों में से एक बताते हुए संभावित कानूनी चुनौतियों की चेतावनी दे रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन का यह निर्णय ओबामा-युग के नियामक विज्ञान-आधारित दृष्टिकोण को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो अमेरिका की जलवायु कार्रवाई की दिशा और लंबी अवधि की योजनाओं को पुनः परिभाषित कर सकता है।

विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ कार्रवाई में अब तक 7,000 से अधिक की मौत, मानवाधिकार समूह का दावा

तेहरान, एजेंसी। ईरान में पिछले महीने हुए राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के खिलाफ सरकार की सख्त कार्रवाई ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता पैदा कर दी है। एक प्रमुख मानवाधिकार समूह के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस हिंसा में मरने वालों की संख्या 7,002 तक पहुंच गई है, जबकि वास्तविक आंकड़ा इससे कहीं अधिक होने की आशंका जताई जा रही है।

अमेरिका स्थित 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' ने बताया कि प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई में कम से कम 7,002 लोगों की मौत हो गई है। ईरान की सरकार ने 21 जनवरी को मृतक संख्या जारी कर 3,117 लोगों के मारे जाने की जानकारी दी थी। ईरान में

पहले भी अशांति के दौरान सरकार ने मौतों की संख्या कम बताई है या इसकी सूचना नहीं दी है। 'एसोसिएटेड प्रेस' इंटरनेट और अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल सेवाएं बाधित होने के कारण मृतकों की संख्या का स्वतंत्र रूप से आकलन नहीं कर सका। मानवाधिकार समूह ने मृतक संख्या में वृद्धि की जानकारी ऐसे समय में दी है जब ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत के दौर में है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि कोई परमाणु समझौता हो पाएगा या नहीं।

परमाणु वार्ता पर पड़ सकता है असर : यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर महत्वपूर्ण बातचीत चल रही है। मानवाधिकारों के इस गंभीर उल्लंघन की खबरों से कूटनीतिक माहौल गरमा गया है। हालांकि, यह अभी भी अनिश्चित है कि क्या ईरान और पश्चिम के बीच कोई ठोस परमाणु समझौता हो पाएगा।

ब्रिक्स में चलती है आम सहमति, नाटो में सिर्फ अमेरिका की मर्जी: रूसी विदेश मंत्री

मास्को, एजेंसी। लावरोव ने एक बयान में कहा कि ज्यादातर मामलों में अंतरराष्ट्रीय समझौतों का पालन किया जाता है। ब्रिक्स जैसे समूहों में आम सहमति ज्यादातर बनी रहती है। हालांकि उनके मुताबिक नाटो में फैसले आसानी से नहीं लिए जा सकते।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने हाल ही में अमेरिका और पश्चिमी देशों के समूह नाटो के काम करने के तरीके पर सवाल उठाते हुए उन पर निशाना साधा है। लावरोव ने कहा है कि ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ज्यादातर मामलों में सर्वसम्मति के आधार पर फैसले करते हैं, जबकि नाटो के फैसले अमेरिका पर निर्भर करते हैं।

लावरोव ने रूस के एक यूट्यूब चैनल एमपाशिया मनुची प्रोजेक्ट के साथ बातचीत में कहा, 'ज्यादातर मामलों में अंतरराष्ट्रीय समझौतों का पालन किया जाता है। जब बात हमारे पश्चिमी साथियों की हो तब नहीं, बल्कि जब उन प्रतिनिधियों की होती है जिन्हें हम वैश्विक बहुमत कहते हैं। ब्रिक्स, एससीओ, और सोवियत के बाद वाले सीएसटीओ, ईएईयू, और सीआईएस जैसे समूहों में आम सहमति ज़्यादातर बनी रहती है।' उन्होंने कहा, ' यहां आप नाटो की तरह आसानी से फैसले नहीं ले सकते, जहां अमेरिकी कहते हैं 'चुप रहो' और सबको पता है कि यह सब कैसे काम करता है। '

लावरोव ने आगे कहा कि यूरोपीय संघ भी फैसलों पर असर डालता है। यूरोपीय संघ की तरह,

जहां ब्रसेल्स में बिना चुने हुए नौकरशाह देश की चुनी हुई सरकारों को बताते हैं कि क्या करना है, कैसे बर्ताव करना है, किसके साथ व्यापार करना है और किसके साथ नहीं करना है। हमारे हंगरी के साथियों ने ब्रसेल्स के हाल के गलत कामों पर साफ और समझने लायक टिप्पणी की है। '

बता दें कि हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने दिसंबर 2025 में कहा था कि यूरोपीय संघ यूक्रेनी संघर्ष को लंबा खींचने के लिए व्यवस्थित तरीके से कानून को रौंद रहा है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ में कानून का राज 'ब्रसेल्स की तानाशाही' से बदल गया है।

इससे पहले ने लावरोव ने रूसी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगाकर प्रतिस्पर्धियों को दबाने के लिए अमेरिका पर 'अनुचित तरीकों' का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया। लावरोव ने एक इंटरव्यू में कहा, ''अमेरिका भारत और अन्य ब्रिक्स सदस्यों जैसे प्रमुख रणनीतिक साझेदारों के साथ हमारे व्यापार, निवेश सहयोग और सैन्य-तकनीकी संबंधों को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहा है।

अमेरिका पर भरोसा नहीं कर पा रहा ईरान, विदेश मंत्री अराघची बोले- हम बातचीत और जंग दोनों के लिए तैयार

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अमेरिका के साथ परमाणु मुद्दे पर चल रही बातचीत के बीच सख्त और साफ संदेश दिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि उनका देश कूटनीतिक समाधान के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन अगर हमला हुआ तो जवाब देने के लिए भी पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि बातचीत ही एकमात्र रास्ता है, लेकिन हाल की घटनाओं ने अमेरिका पर भरोसा कमजोर किया है। उनके बयान से साफ है कि वार्ता और तनाव दोनों साथ-साथ चल रहे हैं।

एक इंटरव्यू में अराघची ने कहा कि ईरान अब भी अमेरिका के साथ बातचीत चाहता है, लेकिन पूरा भरोसा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि पिछले साल जून में जब बातचीत चल रही थी, उसी दौरान हमला हुआ, जो ईरान के लिए खराब अनुभव रहा। उनके मुताबिक सैन्य हमले और धमकियां किसी देश की तकनीकी प्रगति को नहीं रोक सकतीं। इसलिए स्थायी समाधान सिर्फ कूटनीति से ही निकलेगा।

परमाणु कार्यक्रम पर ईरान का पक्ष साफ : अराघची ने दोहराया कि ईरान का यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम शांतिपूर्ण है और यह देश का संप्रभु अधिकार है। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए 5 प्रतिशत से कम संवर्धन की जरूरत होती है। तेहरान रिसर्च रिएक्टर के लिए 20 प्रतिशत तक संवर्धन का ईंधन चाहिए, जिसका उपयोग कैंसर इलाज के लिए मेडिकल आइसोटोप बनाने में होता है। उन्होंने कहा कि प्रतिशत से ज्यादा जरूरी यह है कि

कार्यक्रम का मकसद शांतिपूर्ण है। ईरान इस बात की गारंटी देने को भी तैयार है कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा।

क्षेत्रीय गठजोड़ पर बातचीत से इनकार : ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अमेरिका के साथ सिर्फ परमाणु कार्यक्रम पर बात करेगा। बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और क्षेत्रीय सहयोगी समूहों पर कोई बातचीत नहीं होगी। अराघची ने कहा कि ये मांगें बिल्कुल स्वीकार नहीं हैं। दूसरी तरफ इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू चाहते हैं कि ईरान से होने वाली किसी भी डील में मिसाइल कार्यक्रम और क्षेत्रीय संगठनों का मुद्दा भी शामिल हो।

युद्ध की तैयारी का भी दावा : ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि अगर बातचीत नाकाम होती है और नया हमला होता है तो ईरान जवाब देने के लिए तैयार है। उन्होंने दावा किया कि पिछले साल इस्राइल और अमेरिका की बमबारी के बाद ईरान की सैन्य तैयारी संख्या और गुणवत्ता दोनों में बढ़ी है। उन्होंने नेतन्याहू को युद्ध भड़काने वाला नेता बताया और आरोप लगाया कि वह अमेरिका को बड़े टकराव में खींचना चाहते हैं। अराघची ने चेतावनी दी कि दोबारा हमला हुआ तो क्षेत्र में अमेरिकी ठिकाने भी निशाने पर आ सकते हैं।

अमेरिका-इस्राइल की कूटनीति : इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्हें लगता है कि ईरान परमाणु समझौता चाहता है। उन्होंने बातचीत को सकारात्मक बताया, लेकिन चेतावनी दी कि डील नहीं होने पर बहुत सख्त परिणाम होंगे। ट्रंप परमाणु हथियार और मिसाइल रोकने वाली सख्त डील चाहते हैं। वहीं नेतन्याहू ने अमेरिकी दूतों स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर से मुलाकात कर क्षेत्रीय मुद्दों और ईरान वार्ता पर चर्चा की। साफ है कि कूटनीति जारी है, लेकिन अविश्वास और खतरा दोनों बने हुए हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

झारखंड : हजारीबाग में हाथियों का आतंक, एक ही परिवार के चार समेत 6 की मौत

हजारीबाग (एजेंसी)। झारखंड के हजारीबाग जिले में गुरुवार देर रात हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। चुरचू प्रखंड के गोंदवार गांव में हुए इस हमले में एक ही परिवार के चार सदस्यों समेत कुल छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना रात करीब एक से दो बजे के बीच की बताई जा रही है। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम और दहशत का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार पांच हाथियों का झुंड अचानक बस्ती में घुस आया। अधिकतर लोग गहरी नींद में थे। हाथियों ने कच्चे मकानों को तोड़ दिया और बाहर निकलकर जान बचाने की कोशिश कर रहे लोगों को कुचल दिया। शोर मचाकर और मशाल जलाकर ग्रामीणों ने हाथियों को भगाने की कोशिश की, लेकिन झुंड काफी देर तक गांव के आसपास डटा रहा। मृतकों में सूरज भूइया (55), उनकी पुतोहु सुमन देवी (25) और दो मासूम बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा मंगरा भुईयां (58) और धनेश्वर राम (करीब 55) की भी जान चली गई। एक ही परिवार के चार सदस्यों और अन्य की हुई मौत से गांव में शोक की लहर है। हाथियों के उत्पात की सूचना मिलते ही दारू और चरही वन विभाग की टीमें रात में ही मौके पर पहुंचीं। यह क्षेत्र दारू वन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। वन विभाग के फॉरेस्टर मुकेश कुमार ने बताया कि टीम ने हालात का जायजा लिया है और मुआवजा प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वन विभाग ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है और ग्रामीणों को रात के समय सतर्क रहने की सलाह दी है। ग्रामीणों का कहना है कि करगी जंगल के आसपास हाथियों की गतिविधि लगातार बढ़ रही है और झुंड इन दिनों काफी उग्र है। उन्होंने प्रशासन से स्थायी समाधान और मृतकों के परिजनों को शीघ्र मुआवजा देने की मांग की है।

मुख्तार के शूटर शोएब की दिनदहाड़े हत्या

बाराबंकी (एजेंसी)। बाराबंकी में माफिया मुख्तार अंसारी के शूटर शोएब किदवई उर्फ बॉबी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात शुक्रवार दोपहर उस वक्त हुई, जब वह कार से लखनऊ से बाराबंकी जा रहा था। हाईवे से 100 मीटर आगे बढ़ते ही दो बाइक सवार बदमाश आ गए। जब तक शोएब कुछ समझ पाता, उसकी कार पर पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शोएब पर 25 से ज्यादा गोलियां चलाई गईं। वह घायल होकर गिर पड़ा। वारदात के बाद हमलावर अयोध्या की तरफ फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल पहुंची और शोएब को अस्पताल ले आई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर असेनी मोड़ के पास हुई। कार पर जगह-जगह बुलेट के निशान हैं। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है। फॉरेंसिक टीम मौके से साक्ष्य जुटा रही है।

रणवीर-रोहित को फिर मिली धमकी

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह और फिल्ममेकर रोहित शेट्टी को एक बार फिर धमकी मिली है। लॉरेंस गैंग से जुड़े गैंगस्टर हैरी बॉक्सर के नाम से यह धमकी दी गई है। इससे पहले रोहित शेट्टी के घर पर हुई पांच राउंड फायरिंग की घटना के बाद 10 फरवरी को रणवीर सिंह को पहली धमकी मिली थी। पुलिस में शिकायत दर्ज कराने को लेकर दोनों को दोबारा धमकाया गया है। कथित धमकी संदेश में रणवीर सिंह का नाम लेते हुए कहा गया कि उन्होंने ही रोहित शेट्टी को शिकायत करने की सलाह दी थी। संदेश में उनके मैनेजरों और परिवार की गतिविधियों की जानकारी होने का दावा करते हुए गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई है, जिसमें कहा गया है कि अब हम तुम्हें दिखाएंगे कि हमारी ताकत के आगे तुम्हारी सात पुश्तें भी कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगी।

सपा प्रवक्ता एससी-एसटी एक्ट के तहत गिरफ्तार

बाराबंकी (एजेंसी)। बाराबंकी के सफदरगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई दो दिन पहले दर्ज मुकदमे के आधार पर की गई।पुलिस सूत्रों के अनुसार, मनोज यादव को उस समय पकड़ा गया जब वे अपने कुछ साथियों के साथ सफदरगंज क्षेत्र से गुजर रहे थे। गिरफ्तारी के बाद उन्हें बड़ागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां नियमानुसार उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया। एएसपी विकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि सफदरगंज थाने में दो दिन पूर्व छेड़छाड़ और एससी-एसटी एक्ट के तहत एक मामला दर्ज किया गया था।उसी प्रकरण में साक्ष्यों और विवेचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गिरफ्तारी स्थानीय पुलिस द्वारा की गई है। पिछले दो दिनों से मनोज यादव के संपर्क में न होने को लेकर चर्चा तेज थी। उनकी पत्नी ने लखनऊ के गोमती नगर विस्तार थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। इसी बीच सफदरगंज में पुलिस की यह कार्रवाई सामने आई, जिससे पूरे घटनाक्रम को नया मोड़ मिल गया। अभी तक समाजवादी पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं में चर्चा का दौर जारी है।

लखनऊ-काशी समेत 5 कोर्ट को उड़ाने की धमकी

वाराणसी (एजेंसी)। लखनऊ, वाराणसी, अयोध्या, मेरठ और मिर्जापुर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सभी जगहों पर धमकी का ईमेल सरकारी मेल पर आया। इसका पता लगते ही हडकंप मच गया। फिलहाल, पांचों कोर्ट परिसरों को पुलिस ने खाली करा दिया है। कोर्ट की कार्रवाई को फिलहाल रोक दिया गया है। काशी में 3 हजार से अधिक वकील और 5 हजार वादकारियों ने आनन-फानन में कोर्ट छोड़ दिया। जिला जज भी कैंपस से बाहर आ गए। पुलिस, डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड की टीमें कोर्ट के एक-एक कोने की जांच कर रही हैं। हालांकि, अभी तक कहीं भी कुछ नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक, ज्यादातर मेल का पैटर्न एक जैसा है। हालांकि, मेल किसने भेजा और कहां से आया, इसका पता अब तक नहीं चल पाया है। पुलिस जांच कर रही है कि एक साथ मेल क्यों भेजे गए। क्या इसके पीछे कोई साजिश है। सूत्रों के मुताबिक, पूरे मामले पर लखनऊ के बड़े अफसर नजर रख रहे हैं। साइबर सेल और सुरक्षा एजेंसियां

यूपी चुनाव से पहले नजर आई बंगला राजनीति, मायावती को बड़ा बंगला मिलने पर उठ रहे सवाल

-अखिलेश पर तीखा हमला तो योगी से मुलाकात ने खोले कयासों के द्वार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की सियासत में एक बार फिर हलचल तेज है। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती को दिल्ली में टाइप-8 श्रेणी का नया सरकारी बंगला आवंटित किए जाने के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। आम तौर पर राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष को टाइप-6 या टाइप-7 श्रेणी का आवास मिलता है, ऐसे में उच्च श्रेणी का बंगला मिलने को राजनीतिक संकेतों से जोड़कर देखा जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस घटनाक्रम की शुरुआत अप्रैल 2024 से मानी जा रही है, जब लोकसभा चुनाव के दौरान मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने सीतापुर की रैली में भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला किया था। उन्होंने पार्टी को नफरत फैलाने वाली और आतंकवादियों की पार्टी तक कह दिया था। इस बयान से नाराज होकर मायावती ने उन्हें नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया और इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सार्वजनिक रूप से दी।

दिलचस्प बात यह रही कि आकाश आनंद समाजवादी पार्टी पर भी हमलावर थे, लेकिन इस पर मायावती ने सार्वजनिक नाराजगी नहीं जताई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इससे यह संदेश गया कि मौजूदा समय में मायावती भाजपा से सीधे टक्कर लेने से बचना चाहती हैं। हालांकि, रैलियों में वे राजनीतिक आलोचना करती रहीं।

सीएम योगी का आभार जताया

इसके बाद 9 अक्टूबर 2025 को एक रैली में मायावती ने भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सार्वजनिक रूप से आभार जताया। इस बयान ने अटकलों को और हवा दी। जनवरी 2026 में उन्हें दिल्ली में नया टाइप-8 बंगला आवंटित होने के बाद यह चर्चा तेज हो गई कि क्या भाजपा और बसपा के बीच कोई रणनीतिक समीकरण बन रहा है। यूपी चुनाव से पहले इस घटनाक्रम ने राजनीतिक गलियारे में चर्चा का बाजार गर्म कर दिया है।

अखिलेश को सबसे बड़ा दुश्मन बताया

मायावती ने हाल के बयानों में अखिलेश यादव को अपना 'सबसे बड़ा राजनीतिक दुश्मन' बताया है। इससे साफ संकेत मिलता है कि बसपा की मुख्य राजनीतिक लड़ाई समाजवादी पार्टी से है।

हालांकि, भाजपा और बसपा के बीच किसी औपचारिक गठबंधन की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अंदरखाने संभावित समझदारी या चुनावी रणनीति को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले बदलते समीकरणों ने राज्य की राजनीति को नई दिशा दे दी है। अब देखना होगा कि यह नजदीकियां महज राजनीतिक रणनीति हैं या आने वाले चुनाव में किसी बड़े गठबंधन की भूमिका तैयार कर रही हैं।

तीनों मामलों में सांसद पप्पू यादव को मिली जमानत, समर्थकों में उत्साह

पटना (एजेंसी)। सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को राहत देकर अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज तीनों मामलों में जमानत दे दी है। इससे उनके समर्थकों में उत्साह का माहौल दिखाई दिया। एमपी-एमएलए विशेष अदालत में शुक्रवार को संबंधित मामलों पर सुनवाई हुई। बचाव पक्ष की ओर से दलील दी गई कि आरोपों का स्वरूप गंभीर नहीं है और अभियुक्त जांच में सहयोग कर रहे हैं। लेकिन सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध कर कहा कि मामले की निष्पक्ष सुनवाई के लिए सख्ती जरूरी है। हालांकि अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जमानत याचिका स्वीकार कर ली। जानकारी के अनुसार, तीनों मामले अलग-अलग तिथियों में दर्ज किए गए थे और इनमें कोतवाली थाना कांड संख्या भी शामिल है। अदालत ने शर्तों के साथ जमानत मंजूर की है। इसके पहले पप्पू यादव को न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। जमानत मिलने के बाद उनकी रिहाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कानूनी औपचारिकताएं पूरी होते ही उन्हें जेल से रिहा किया जाएगा। सांसद पप्पू यादव को जमानत की खबर मिलते ही समर्थकों ने खुशी जाहिर की है। कई कार्यकर्ताओं ने इस न्याय की जीत बताया। वहीं, राजनीतिक गलियारों में भी इस फैसले को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

गैंगस्टरों के खिलाफ सीएम मान की बड़ी स्ट्राइक, पुलिस ने 72 घंटे में 3 हजार गिरफ्तारियां

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देश पर राज्य को गैंगस्टर मुक्त बनाने के लिए 'गैंगस्टरां ते वार' मुहिम के तहत 72 घंटे का 'ऑपरेशन प्रहार-2' चलाया गया। इस विशेष अभियान की अगुवाई गौरव यादव ने की, जिसमें राज्यभर में 12,000 पुलिसकर्मियों की 2,000 से अधिक टीमों ने हिस्सा लिया। अभियान के दौरान वांछित अपराधियों से जुड़े 8,278 ठिकानों पर छापेमारी की गई। 3 दिनों की कार्रवाई में कुल 7,498 लोगों को हिरासत में लिया गया, जिसमें से 3,260 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में 135 फरार अपराधी भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 47 हथियार, 4.8 किलोग्राम हेरोइन, 3.6 किलोग्राम अफीम, 42,797 नशीली गोलियां, 68 किलोग्राम भुक्की और 30 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इसके अतिरिक्त 1,450 लोगों को एहतियातन हिरासत में लिया गया, जबकि जांच के बाद 2,788 व्यक्तियों को रिहा किया। विशेष डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने बताया कि यह अभियान उम्मीद से अधिक सफल रहा है और राज्य को पूरी तरह गैंगस्टर मुक्त बनाने तक कार्रवाई जारी रहेगी। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर गुप्त रूप से सूचना दे सकते हैं। इसी दौरान 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' अभियान के 347वें दिन 164 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर 11.9 किलोग्राम हेरोइन, 344 नशीली गोलियां और 4,700 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। पिछले 347 दिनों में कुल 49,129 नशा तस्कर गिरफ्तार किए जा चुके हैं। साथ ही 14 लोगों को नशा मुक्ति और पुनर्वास के लिए प्रेरित किया गया है।

चुनावी रेवड़ी या महिला सम्मान? स्टालिन ने करोड़ों महिलाओं को दिए 5000 रुपये

चेन्नई (एजेंसी)। दक्षिण के राज्य तमिलनाडु के सीएम एम के स्टालिन ने महिलाओं के लिए बड़ी आर्थिक सहायता की घोषणा कर 'कलाइग्नार मगलीर उरिमाई थोगई' योजना के तहत 1.31 करोड़ महिला लाभार्थियों के बैंक खातों में 5,000 रुपये जमा करवाए हैं। चेन्नई में जारी वीडियो संदेश में उन्होंने बताया कि फरवरी, मार्च और अप्रैल महीनों के लिए अग्रिम रूप से 3,000 रुपये (प्रति माह 1,000 रुपये) दिए गए हैं, जबकि 2,000 रुपये की अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन विशेष सहायता भी प्रदान की गई है।

सीएम स्टालिन ने स्पष्ट किया कि यह केवल चुनावी वादा नहीं, बल्कि महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक योगदान का सम्मान है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के 'द्रविड़ मॉडल 2.0' के तहत यदि उनकी पार्टी दोबारा सत्ता में आती है, तब वर्तमान 1,000 रुपये की मासिक सहायता राशि को बढ़ाकर 2,000 रुपये किया जाएगा। तमिलनाडु में 234 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 10 मई 2026 को समाप्त हो रहा है और चुनाव 2026 की पहली छमाही में प्रस्तावित हैं। 2021 के चुनावों में डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 133 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, जबकि एआईएमडीएमके को 66 सीटें मिली थीं।

यह योजना सितंबर 2023 में शुरू की गई थी और शुरुआत में 1.13 करोड़ महिलाओं को इसका लाभ मिला था। बाद में इसका दायरा बढ़ाकर 1.31 करोड़ महिलाओं तक किया गया। स्टालिन सरकार का कहना है कि यह आर्थिक सहायता महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और परिवार की आय में सहयोग देने के उद्देश्य से दी जा रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, चुनाव से पहले इतनी बड़ी राशि का वितरण विपक्ष द्वारा 'चुनावी रेवड़ी' कहा जा रहा है, जबकि सत्तारूढ़ दल इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बता रहा है। अब देखना यह होगा कि आगामी चुनावों में महिलाओं का समर्थन किस दिशा में जाता है।

पूर्व सीजेआई गवई ने जेपीसी के समक्ष वन नेशन वन इलेक्शन का किया समर्थन

नई दिल्ली(एजेंसी)। 'एक देश, एक चुनाव' विधेयक पर चल रही संसदीय पड़ताल के बीच भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष इसका समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव न तो संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करता है और न ही इससे संघीय ढांचे या लोकतांत्रिक प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यह विधेयक लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के उद्देश्य से लाया गया है। जानकारी के मुताबिक, भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली जेपीसी के समक्ष जस्टिस गवई ने कहा कि देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए केवल एक चुनावी चक्र को समायोजित करने की आवश्यकता होगी। उन्होंने विधेयक की संवैधानिक वैधता का समर्थन करते हुए कहा कि इसके लागू होने से संविधान की मूल संरचना में कोई बदलाव नहीं होगा। बैठक के बाद समिति अध्यक्ष ने कहा कि यह प्रस्ताव संसद की विधायी क्षमता के दायरे में आता है और इससे व्यापक चुनाव सुधार संभव है।

अन्य पूर्व सीजेआई की राय- अब तक 129वें संविधान संशोधन विधेयक, 2024 पर छह पूर्व मुख्य न्यायाधीश समिति के सामने अपनी राय रख चुके हैं। इनमें रंजन गोगोई, डी. वाई. चंद्रचूड़, जे. एस. खेहर और जस्टिस गवई ने इसे संविधान के मूल ढांचे के अनुरूप बताया है। वहीं दूसरी तरफ यूयू ललित और संजिव खन्ना ने केशवानंद भारती मामला का हवाला देते हुए कुछ संवैधानिक चिंताएं जताई हैं।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर अंतिम फैसला संसद की प्रक्रिया और आवश्यक संवैधानिक संशोधनों के बाद ही स्पष्ट होगा, लेकिन पूर्व न्यायाधीशों की राय ने बहस को नई दिशा दे दी है।

सेवानिवृत फौजियों के लिए किताब लिखने पर नए नियम? नरवणे विवाद पर सरकार का रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की अप्रकाशित किताब को लेकर चल रहे विवाद के बीच रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया कि सेवानिवृत्त सेना अधिकारियों के लिए पुस्तक लेखन संबंधी नए दिशानिर्देश लाने के किसी प्रस्ताव की उन्हें जानकारी नहीं है। रक्षा सचिव सिंह ने कहा कि इसतरह के मामलों के लिए पहले से ही नियम और कानून मौजूद हैं, जिसमें आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (ओएसए) भी शामिल है। उन्होंने कहा कि मुख्य मुद्दा दिशानिर्देशों का अभाव नहीं है, बल्कि यह है कि क्या किसी मौजूदा नियम का उल्लंघन किया गया है।

रक्षा सचिव सिंह ने बताया कि ईमानदारी से कहूं, मुझे इस विशेष मुद्दे की जानकारी नहीं है जिसका आप जिक्र कर रहे हैं कि क्या नए दिशानिर्देशों पर विचार हो रहा है। मौजूदा दिशानिर्देश हैं और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम लागू होता है। मामले में मुद्दा यह नहीं है कि दिशानिर्देश मौजूद नहीं हैं, मुद्दा यह है कि क्या किसी ने उनका उल्लंघन करने की कोशिश की है। सार्वजनिक सूत्रों से मुझे पता चला है कि एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं। हालांकि, मुझे किसी नए दिशानिर्देश की जानकारी नहीं है, और वैसे भी, संवेदनशील मामलों में मौजूदा दिशानिर्देश और मौजूदा कानून, विशेष रूप से ओएसए, लागू होते हैं।

यह घटना तब सामने आई जब राहुल गांधी ने बजट सत्र के दौरान लोकसभा में जनरल नरवणे की आत्मकथा फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी का हवाला देने की कोशिश की, इससे बजट सत्र के दौरान चीन के साथ 2020 के गतिरोध का मुद्दा चर्चा में आ गया और राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। दिल्ली पुलिस ने 9 फरवरी को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और समाचार मंचों पर मिली जानकारी का संज्ञान लिया, जिसमें दावा किया गया था कि फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी पुस्तक की एक प्री-प्रिंट प्रति प्रसारित हो रही है। स्पेशल सेल ने अभी तक स्वीकृत न हुई पुस्तक के कथित रिसाव/उल्लंघन के संबंध में मामला दर्ज किया है।

वहीं बताया गया हैं कि दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की पुस्तक के कथित रिसाव के संबंध में पेंगुइन इंडिया के अधिकारियों से लगातार दो दिनों तक पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, दोनों दिन पूछताछ कई घंटों तक चली, जिसमें जांचकर्ताओं ने पांडुलिपि और उसकी डिजिटल फाइलों के प्रबंधन और वितरण के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया।

बर्फबारी से पहाड़ी इलाकों में कड़ाके की ठंड तो कई मैदानी राज्यों में तापमान 30 डिग्री के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में फरवरी के दूसरे सप्ताह में मौसम के दो अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। मैदानी राज्यों में जहां गर्मी दस्तक देने लगी है, वहीं पहाड़ी इलाकों में कड़ाके की ठंड और बर्फबारी का दौर जारी है।

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कई शहरों में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में अधिकतम तापमान 31 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं मध्य प्रदेश के 15 शहरों में पारा 30 डिग्री तक पहुंच गया है। हालांकि सुबह और देर शाम हल्की ठंड अब भी महसूस की जा रही है। इसके उलट हिमालयी राज्यों में सर्दी का प्रकोप जारी है। उत्तराखंड के 7 शहरों में न्यूनतम तापमान माइनस 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। मुनस्यारी में गुरुवार को पारा गिरकर माइनस 26 डिग्री तक पहुंच गया, जो इस सीजन के सबसे कम तापमान में से एक है। हिमाचल प्रदेश के सात शहरों में भी तापमान 5 डिग्री से नीचे रहा। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी जारी है। अनंतनाग में बुधवार-गुरुवार को ताजा बर्फबारी दर्ज की गई। कश्मीर को जम्मू से जोड़ने वाली ऐतिहासिक मुगल रोड पर कई फीट बर्फ जमी होने के कारण मार्ग अब भी बंद है, जिससे आवाजाही प्रभावित है। मौसम विभाग ने अगले 12 घंटों में लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। हवा की रफ्तार 40 से 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। कुछ इलाकों में आकाशीय बिजली गिरने की आशंका भी जताई गई है। किसानों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 16 फरवरी तक बारिश के प्रभाव से तापमान में गिरावट और ठंड बढ़ने की संभावना है। 14 फरवरी को राजस्थान में मौसम साफ रहने और तापमान में 1-2डिग्री की बढ़ोतरी का अनुमान है, जबकि 15 फरवरी को हिमाचल प्रदेश के ऊपरी क्षेत्रों में बर्फबारी से राहत मिल सकती है और निचले इलाकों में मौसम साफ रहने की संभावना है।

8वें वेतन आयोग लागू हुआ तो 1 से 5 लेवल तक के कर्मचारियों की होगी बल्ले-बल्ले

-एरियर की अवधि 18 से 24 महीनों तक की हो सकती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कर्मचारी आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों का इंतजार कर रहे हैं। वेतन आयोग की सिफारिशें फिटमेंट फॉर्मूले के तहत लागू होने की उम्मीद है। वहीं, सिफारिशें एक जनवरी 2026 से लागू होंगी तो ऐसे में कर्मचारियों को उम्मीद है कि उन्हें एरियर भी मिलेगा। एरियर की अवधि 18 से 24 महीनों तक की हो सकती है। अब सवाल है कि आखिर कितना एरियर मिलेगा। लेवल 1 से लेवल 5 तक के कर्मचारियों के लिए यह एरियर लाखों रुपए में मिल सकता है।

जानकारी के मुताबिक अगर 1 जनवरी 2026 को प्रभावी तिथि मानते हुए 20 महीनों का एरियर लिया जाए और फिटमेंट फैक्टर 2.0, 2.15, 2.28 या 2.57 के आधार पर गणना की जाए, तो लेवल 1 से 5 तक के कर्मचारियों को एकमुश्त बड़ी रकम मिल सकती है। मान लीजिए कि सातवें वेतन आयोग के तहत लेवल 1 कर्मचारियों की बेसिक सैलरी 18,000 रुपए है। वहीं, लेवल 5 कर्मचारियों की सैलरी 29,200 रुपए है। अब आठवें वेतन आयोग के तहत कर्मचारियों का 20 महीने का एरियर 3.60 लाख रुपए से 9.17 लाख रुपए तक बनता है। यह कैल्कुलेशन फिटमेंट फैक्टर 2.0, 2.15, 2.28 और 2.57 के आधार पर किया गया है।

बता दें एरियर की गणना का तरीका सीधा होता है। इसमें 7वें वेतन आयोग के तहत मौजूदा बेसिक पे पर स्वीकृत फिटमेंट फैक्टर लागू कर नई बेसिक सैलरी तय की जाती है। इसके बाद पुरानी और नई सैलरी के बीच का मासिक अंतर निकाला जाता है और उसे देरी के महीनों की संख्या से गुणा किया जाता है। आमतौर पर एरियर में बेसिक-पे का अंतर और संशोधित वेतन के मुताबिक महंगाई भत्ते का अंतर शामिल होता है।

बता दें हाल ही में 8वें केंद्रीय वेतन आयोग ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च कर दी है। आयोग ने पोर्टल पर एक संरचित प्रश्नावली के जरिए मंत्रालयों, विभागों, केंद्रीय कर्मचारियों और अन्य हितधारकों से सुझाव भी मांगे हैं। मतलब यह कि आप वेतन आयोग को किसी भी तरह के सुझाव दे सकते हैं। अगर सुझाव सही होंगे तो उस पर अमल भी किया जाएगा। बता दें केंद्र सरकार ने जनवरी 2025 में 8वें वेतन आयोग की घोषणा की थी, जबकि वित्त मंत्रालय ने 3 नवंबर को इसकी अधिसूचना जारी की।